राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 12 जनवरी 2026
वर्ष 14, अंक 269, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

महमूदाबाद में शिव मठ मंदिर को कब्जा मुक्त कराने के लिए नागरिकों का बड़ा ज्ञापन..03

ग्राम पंचायत करकटी में भ्रष्टाचार जम कर नाली निर्माण कार्य मे भारी भ्रष्टाचार ..04

ईरान का मिडिल क्लास सड़कों पर, लेकिन अमीर तबका किसके साथ? जिसके हाथ में सत्ता की चाबी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ईरान की सड़कों पर गुस्सा उबल रहा है. सड़कों पर लाशें बिछ रही हैं. अमेरिका और इजरायल प्रेशर बना रहे हैं. वे चाहते हैं कि किसी भी तरह से ईरान में खामेनेई की सत्ता का अंत हो जाए, दूसरी तरफ अयातुल्ला अली खामेनेई का 35 साल पुराना वर्चस्व है. सड़कों पर भीड़ देखकर आपको लगेगा कि ज्यादातर लोग ईरान की सरकार के विरोध में उतर आए हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल कि ईरान का सबसे अमीर तबका क्या सोच रहा है? वह वर्ग, जिसने अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच अपनी तिजोरियां भरी हैं, क्या वह अब भी इस्लामिक रिपब्लिक का वफादार है? या फिर वह अपनी दौलत बचाने के लिए ट्रंप के साथ कोई डील करने की फिराक में है?

ईरान पर करीबी नजर रखने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान में सत्ता का भविष्य न तो पूरी तरह सेना के हाथ में है और न ही पूरी तरह प्रदर्शनकारियों के. इसका फैसला वे पर्दे के पीछे रहने वाले खिलाड़ी करेंगे, जिन्हें ईरान में ट्रस्टी या कुलीन वर्ग कहा जाता है. ईरान में यह अमीर तबका कोई आम उद्योगपति नहीं है, जिसने अपनी मेहनत से फैक्ट्री खड़ी की हो. यह एक खास तरह का वर्ग है जो प्रतिबंधों की कोख से पैदा हुआ है।

आखिर कौन हैं ये लोग

बीबीसी परसियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब अमेरिका ने ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए, तो ईरान सरकार को अपना तेल बेचने और पैसा देश में लाने के लिए बिचौलियों की जरूरत पड़ी. ये वो लोग थे जिन्हें सरकार ने अपना ट्रस्टी बनाया. इनका काम था- दुबई, तुर्की, ओमान या मलेशिया में फर्जी कंपनियों के जरिए ईरान का तेल बेचना और पैसा घूम-फिर कर ईरान तक पहुंचाना. लेकिन हुआ यह कि इन ट्रस्टियों ने इस मौके का फायदा उठाकर अकूत संपत्ति जमा कर ली।

सरकार का इन पर कंट्रोल नहीं

आज ये लोग न तो पूरी तरह सरकार के कंट्रोल में हैं और न ही ये पूरी तरह प्राइवेट हैं. ये एक ग्रे-जोन में काम करते हैं. ईरान की योजना और बजट संगठन के प्रमुख ने हाल ही में कहा था, पिछले कुछ वर्षों में ये ट्रेडर्स और ट्रस्टी देश की अर्थव्यवस्था के लिए जहरीले मशरूम बन गए हैं. वहीं, एक्क्?सपर्ट मानते हैं कि सरकार ने प्रतिबंधों से बचने के लिए जिस सांप को आस्तीन में पाला था, अब वह एक ड्रैगन बन चुका है।

जहां देश कंगाल, वहां ये मालामाल

ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पजेशकियान ने पिछले महीने ही कहा था कि देश का खजाना खाली हो चुका है और सरकार एक-एक अरब डॉलर के लिए तरस रही है. लेकिन आंकड़े बताते हैं कि पैसा है, बस वह सरकारी खजाने तक पहुंच नहीं रहा।

ईरान की संसद के एक सदस्य का दावा है कि 2018 से अब तक 95 अरब डॉलर यानी करीब 8 लाख करोड़ रुपये का निर्यात पैसा देश में वापस ही नहीं आया. यह पैसा कहां गया? यह पैसा इन्हीं ट्रस्टियों और कुलीन वर्गों की विदेशी तिजोरियों में है।

ईरान-चीन चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मजीद रज़ा हरीरी ने बताया कि जब सेंट्रल बैंक कहता है कि उसके पास विदेशी मुद्रा नहीं है, तो इसका मतलब है कि पैसा ट्रस्टियों और कुलीन वर्गों के पास है और वे इसे देश में लाने को तैयार नहीं हैं।

क्यों कुछ बिगाड़ नहीं पाती सरकार?

सवाल यह उठता है कि जिस देश में महिलाओं को हिजाब न पहनने पर कोड़े मारे जा सकते हैं, वहां सरकार इन भ्रष्ट अमीरों का कुछ बिगाड़ क्यों नहीं पाती? इसका जवाब है कि सरकार को अपने ही दामादों और बेटों के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी. यह तंत्र इतना गहरा है कि अब वे सरकार को ही ब्लैकमेल कर रहे हैं. रिपोर्टों के मुताबिक, कई बार ये रसूखदार लोग बंदरगाहों पर अनाज और दवाइयों से भरे जहाज खड़े रखते हैं लेकिन उन्हें तब तक खाली नहीं करते जब तक उन्हें उनकी मुंहमांगी कीमत न मिले।

पहले भी दे चुके हैं धोखा

ईरान में कुलीन वर्ग हमेशा से देश के बजाय अपने परिवार को तरजीह देता आया है. 19वीं सदी में ईरान के महान सुधारवादी प्रधानमंत्री अमीर कबीर की हत्या के पीछे भी इन्हीं भ्रष्ट दरबारियों और कुलीन वर्गों का हाथ था, क्योंकि अमीर कबीर उनके भ्रष्टाचार को खत्म करना चाहते थे. उस समय एक ब्रिटिश राजनयिक ने लिखा था, इन्होंने ईरान के महान पुरुषों को खत्म कर दिया... और आज भी ये देश की जड़ों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं. आज भी स्थिति वैसी ही है. ये अमीर वर्ग रिफॉर्म को पसंद नहीं करता, क्योंकि सुधारों से पारदर्शिता आएगी और पारदर्शिता इनके धंधे के लिए मौत है।

कब तक साथ देंगे?

विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान का यह अमीर तबका खामेनेई के शासन के खिलाफ सड़कों पर नहीं उतरेगा. वे क्रांति का नेतृत्व नहीं करेंगे. कुछ लोग सोचते हैं कि संकट आते ही ये अमीर लोग सरकार को बेच देंगे. यह गलत फहमी है. वे आखिरी पल तक सत्ता की छाया में रहेंगे. लेकिन, इसमें एक पेंच है. वे आखिरी पल तक प्रतिरोध करेंगे. लेकिन जिस दिन उन्हें लगेगा कि डूबते जहाज (सरकार) पर रहने की कीमत, छलांग लगाने से ज्यादा है, वे तुरंत पाला बदल लेंगे. अगर ट्रंप प्रशासन और प्रदर्शनकारियों का दबाव इतना बढ़ गया कि इस अमीर वर्ग को अपनी विदेशी संपत्ति और भविष्य खतरे में दिखने लगा, तो वे पर्दे के पीछे से सरकार का साथ छोड़ सकते हैं. और जिस दिन ईरान के 'ट्रस्टियों' ने पैसा रोका, उस दिन इस्लामिक रिपब्लिक का आर्थिक ढांचा ताश के पत्तों की तरह बिखर जाएगा. फिलहाल वे वेट एंड वॉच की स्थिति में हैं. उनकी एक आंख खामेनेई के आदेशों पर और दूसरी आंख अपनी विदेशी बैंक खातों पर है।

ग्रीनलैंड पर हमले की तैयारी करो, ट्रंप ने सेना को दिया आदेश, US आर्मी ने कर दी 'बगावत', बोली- मनमानी नहीं चलेगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए मिलिट्री को प्लान तैयार करने का आदेश दिया है. डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी देते रहते हैं. लेकिन इसबीच खबर आई है कि उन्होंने स्पेशल फोर्स कमांडरों से संभावित हमले की योजना बनाने को कहा है. हालांकि अमेरिकी सेना के शीर्ष अधिकारी ट्रंप के इस मनमाने विचार का खुले तौर पर विरोध कर रहे हैं. डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों के अनुसार ट्रंप के आसपास मौजूद सलाहकार इस योजना को आगे बढ़ा रहे हैं. इसमें सबसे अहम नाम राजनीतिक सलाहकार स्टीफन मिलर को बताया जा रहा है।

इन लोगों का मानना है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने के ऑपरेशन की सफलता के बाद अब अमेरिका को ग्रीनलैंड पर भी तेजी से कदम उठाना चाहिए, इससे पहले कि रूस या चीन वहां अपनी पकड़ मजबूत कर लें. ब्रिटिश राजनयिकों का आकलन है कि ट्रंप की इस सोच के पीछे घरेलू राजनीति भी बड़ी वजह है. अमेरिका में इस साल मध्यावधि चुनाव होने हैं और अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार पर सवाल उठ रहे हैं. माना जा रहा है कि ट्रंप

मतदाताओं का ध्यान अर्थव्यवस्था से हटाकर एक बड़े राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दे पर ले जाना चाहते हैं।

क्या नाटो टूट जाएगा?

अगर अमेरिका ऐसा कोई कदम उठाता है तो इसका असर सिर्फ ग्रीनलैंड तक सीमित नहीं रहेगा. यह फैसला ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से टकराव की स्थिति पैदा कर सकता है और नाटो जैसे सैन्य गठबंधन के भविष्य पर भी गंभीर संकट खड़ा कर सकता है. कुछ राजनयिक दस्तावेजों में इसे नाटो के भीतर से टूटने का खतरा बताया गया है।

सेना ने ट्रंप से क्या कहा?

जानकारी के मुताबिक ट्रंप ने जॉइंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड (JSOC) से ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की योजना तैयार करने को कहा है. लेकिन जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने इसका विरोध किया है. उनका कहना है कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ होगा और अमेरिकी कांग्रेस भी इसका समर्थन नहीं करेगी. एक सूत्र ने बताया कि सैन्य अधिकारी ट्रंप का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं. वे ग्रीनलैंड की जगह रूस के कथित घोस्ट जहाजों को रोकने या ईरान के खिलाफ सीमित कार्रवाई जैसे विकल्पों पर बात कर रहे हैं. इन जहाजों को पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. राजनयिक हलकों में अलग-अलग हालात पर विचार किया गया है. एक स्थिति में ट्रंप ताकत या राजनीतिक दबाव के जरिए ग्रीनलैंड को डेनमार्क से अलग करने की कोशिश कर सकते हैं. इसे सबसे खराब स्थिति माना गया है, जो नाटो को अंदर से ही तोड़ देगा।

ट्रंप ने डेनमार्क को क्या कहा?

इन सबके बीच ट्रंप ने शुक्रवार को फिर धमकी दी कि अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड को अपने नियंत्रण में नहीं लिया तो भविष्य में रूस या चीन वहां कब्जा कर सकता है. उन्होंने कहा कि अगर सौदे से बात नहीं बनी तो अमेरिका को सख्त रास्ता अपनाना पड़ सकता है. ग्रीनलैंड के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने संयुक्त बयान जारी कर साफ कहा है कि वे न अमेरिकी बनना चाहते हैं, न डेनमार्क के अधीन रहना चाहते हैं. उनका कहना है कि ग्रीनलैंड का भविष्य वहां के लोग खुद तय करेंगे।

योगी सरकार का बुलडोजर एक्शन! देवरिया में अवैध मजार जमींदोज, सरकारी जमीन से हटाया गया कब्जा, इलाके में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में योगी सरकार का बुलडोजर एक्शन देखने को मिला है। देवरिया शहर में स्थित अब्दुल गनी शाह बाबा की मजार को रविवार को प्रशासन ने गिरा दिया। यह मजार सरकारी बंजर जमीन पर अवैध रूप से बनाई गई थी। इस मामले की शिकायत देवरिया सदर के विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की थी, जिसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई तेज की।

एसडीएम कोर्ट के आदेश पर हुई कार्रवाई

यह मामला देवरिया की एसडीएम कोर्ट में चल रहा था। प्रशासन की निगरानी में कई बार जमीन की पैमाइश कराई गई, जिसमें साफ पाया गया कि मजार सरकारी जमीन पर बनी हुई है। इसके बाद एसडीएम कोर्ट ने जमीन को सरकारी बंजर भूमि घोषित करते हुए मजार को हटाने का आदेश दिया।

मजार कमेटी ने भी मानी गलती

मजार कमेटी ने भी कोर्ट के फैसले को स्वीकार कर लिया था। कमेटी के अध्यक्ष राशिद खान ने लिखित में प्रशासन को बताया कि मजार अवैध जमीन पर बनी है और इसे हटाने में वह पूरा सहयोग करेंगे।

तीन बुलडोजर और भारी पुलिस बल तैनात

रविवार को प्रशासन ने भारी पुलिस बल के साथ तीन बुलडोजर मौके पर भेजे। इसके बाद मजार को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की गई और पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई ताकि कोई अप्रिय स्थिति न बने।

विधायक ने उठाया था अवैध कब्जे का मुद्दा

यह मजार देवरिया-गोरखपुर रोड पर ओवरब्रिज के नीचे स्थित थी। सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने मजार और उसके आसपास की जमीन पर दरगाह कमेटी द्वारा अवैध कब्जे का मुद्दा उठाया था और इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से की थी। शिकायत में कहा गया था कि यह जमीन सरकारी बंजर भूमि है, जिस पर अवैध रूप से मजार और कब्रिस्तान बना दिए गए हैं।

1993 में कराई गई थी फर्जी एंट्री

तहसीलदार की जांच में सामने आया कि 1993 में इस सरकारी जमीन को रिकॉर्ड में मजार और कब्रिस्तान के रूप में दर्ज कर दिया गया था। इसे फर्जी एंट्री माना गया। इसके बाद अपर जिला सरकारी वकील ने राजस्व कानून के तहत एसडीएम कोर्ट में वाद दायर किया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने फर्जी प्रविष्टि को रद्द कर जमीन को फिर से सरकारी खाते में दर्ज करने और मजार व कब्रिस्तान को हटाने का आदेश दिया।

प्रशासन की सख्त कार्रवाई

कोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने बिना किसी रुकावट के कार्रवाई की और अवैध मजार को बुलडोजर से गिरा दिया। प्रशासन का कहना है कि आगे भी सरकारी जमीन पर किए गए सभी अवैध कब्जों पर इसी तरह कार्रवाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त ख़बरें

मुंबई में बंगाली मजदूर की हत्या, ओडिशा में पिटाई... बंगाल में भाषाई सियासत तेज, तृणमूल ने बीजेपी पर बोला हमला

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले भाषा को लेकर सियासत गरमा गई है. तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मुंबई में बंगाल के एक मजदूर की हत्या कर दी गई. वहीं, बांग्ला भाषा बोलने की वजह से ओडिशा में एक मजदूर के साथ मारपीट की गई और उसके पैसे छीन लिए गए. हालांकि बीजेपी ने इस आरोप को पूरी तरह से खारिज कर दिया है. आरोप है कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रहने वाले एक मजदूर की मुंबई में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. मरने वाले का नाम रिंटू शेख है. मृत युवक का घर मुर्शिदाबाद के रानीतला थाने के अमदहरा इलाके में है. परिवार के सूत्रों के मुताबिक, वह करीब सात महीने पहले राजमिस्त्री का काम करने मुंबई गया था. शनिवार सुबह अचानक मुंबई से रिंटू शेख के घर बुरी खबर पहुंची।

मुंबई में बंगाली मजदूर की पीट-पीटकर हत्या

पता चला है कि मुंबई में काम करने के दौरान रिंटू की एक स्थानीय युवक से कहासुनी हो गई थी. युवक ने रिंटू शेख के सिर पर लोहे की रॉड से वार किया. रिंटू गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गया. उसे जल्दी से लोकल हॉस्पिटल ले जाया गया. ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक युवक की मां ने रोते हुए कहा कि मेरा बेटा खाना खाने बैठा था. उसने उसे पीछे से मारा. उन्होंने सुबह हमें फोन करके बताया. मैंने सुना है कि पुलिस ने उसे मारने वाले को पकड़ लिया है. मुझे कोई पैसा नहीं चाहिए. मैं चाहती हूं कि उसे मारने वाले को फांसी दी जाए।

ओडिशा में बांग्ला बोलने पर मारपीट

दूसरी ओर, ओडिशा में बंगाल के एक मजदूर की पिटाई करने का आरोप लगा है. पीड़ित मजदूर का नाम राजा अली है. उसका घर हुगली के गोघाट में है. आरोप है कि उसकी कमाई के 50 हजार रुपये छीन लिए गए. गोघाट का यह युवक डर के मारे रातों-रात राज्य छोड़कर भाग गया. तब से परिवार वाले दहशत में हैं. मजदूर के बीमार पिता अपने बेटे पर हो रहे अत्याचार के बारे में बताते हुए रो पड़े. परिवार ने बताया कि गोघाट की भादुर पंचायत के बीरमपुर गांव का रहने वाला राजा अली करीब आठ महीने पहले ओडिशा के कटक में राजमिस्त्री का काम करने गया था. आरोप है कि बांग्ला बोलने पर उसे पहले भी धमकाया गया था. तब से वह लगभग छिपकर काम कर रहा था. जिस घर में वह किराए पर रहता था, उसका मालिक परेशानी से बचने के लिए बाहर से दरवाजा बंद कर देता था. आरोप है कि बुधवार को 10-12 लोग ताला तोड़कर घर में घुस आए।

विदेश मंत्रालय ने ज़ोहरान ममदानी द्वारा उमर ख़ालिद को लिखे पत्र पर आपत्ति जताई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- भारत सरकार ने शुक्रवार (9 जनवरी) को न्यूयॉर्क के मेयर ज़ोहरान ममदानी द्वारा जेल में बंद पूर्व छात्र नेता उमर ख़ालिद को भेजे गए पत्र पर असहमति जताई है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक पदों पर बैठे प्रतिनिधियों को अन्य लोकतांत्रिक देशों की न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करना चाहिए. बता दें कि भारतीय मूल के ज़ोहरान ममदानी ने पिछले महीने अमेरिका में उमर ख़ालिद के माता-पिता से मुलाक़ात के दौरान उन्हें एक हस्तलिखित पत्र दिया था, जिसे उन्होंने ख़ालिद तक पहुंचाया. इस पत्र में ममदानी ने उमर ख़ालिद के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की थी. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा,'हम अपेक्षा करते हैं कि सार्वजनिक प्रतिनिधि अन्य लोकतंत्रों की न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करें.' वे ममदानी द्वारा उमर ख़ालिद को भेजे गए संदेश से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे. जायसवाल ने आगे कहा, 'व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों को व्यक्त करना सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों को शोभा नहीं देता. ऐसे बयानों के बजाय उन्हें सौंपी गई

जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करना अधिक उपयुक्त होगा.' गौरतलब है कि उमर ख़ालिद को सितंबर 2020 में दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ़्तार किए जाने के बाद से ज़मानत नहीं मिली है।

ख़ालिद पर फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के समर्थन और विरोध में हुई झड़पों से जुड़े एक मामले में गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया था. इससे पहले भाजपा ने ममदानी के पत्र पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि भारत अपने आंतरिक मामलों में किसी भी तरह का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा.

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा था कि, 'कौन-सा बाहरी व्यक्ति हमारी लोकतंत्र और न्यायपालिका पर सवाल उठाने वाला होता है? वह भी ऐसे व्यक्ति के समर्थन में जो भारत को टुकड़ों में बांटना चाहता है? यह ठीक नहीं है... जब भारत की संप्रभुता की बात आती है, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ भारतीय इसके खिलाफ खड़े होंगे.' ज्ञात हो कि हाल ही में अमेरिका के सांसदों के एक समूह ने भी भारत के अमेरिका स्थित राजदूत विनय क्वात्रा को पत्र लिखकर उमर ख़ालिद को ज़मानत दिए जाने और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप 'निष्पक्ष और समयबद्ध सुनवाई' की मांग की थी. इसमें कहा गया कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते, दोनों देशों की स्वतंत्रता, क़ानून के शासन, मानवाधिकारों और बहुलवाद की रक्षा और उसे बनाए रखने में साझा रुचि है. 'इसी भावना के तहत' सांसदों ने ख़ालिद की हिरासत को लेकर अपनी चिंता जताई. पत्र में कहा गया कि ख़ालिद को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूपीएए) के तहत लगाए गए आरोपों में पांच वर्षों से बिना ज़मानत हिरासत में रखा गया है, जबकि स्वतंत्र मानवाधिकार विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह अंतरराष्ट्रीय मानकों - जैसे क़ानून के समक्ष समानता, उचित प्रक्रिया और अनुपातिकता - का उल्लंघन कर सकता है।

घूसखोर दरोगा ने जीरो टॉलरेंस की नीति को लगाया पलीता, नहीं मिली 90 हजार रुपये की रिश्वत तो 12 निर्दोष फंसा दिए?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर- उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के बावजूद जमीनी स्तर पर कुछ पुलिसकर्मियों की कार्यशैली लगातार सवालों के घेरे में आ रही है। ताजा मामला कानपुर जिले के नरवल थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक दारोगा पर गंभीर भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के आरोप लगे हैं।

12 निर्दोष लोगों को आरोपी बना दिया

नरवल थाने में तैनात दारोगा संदीप कुमार पर आरोप है कि उन्होंने दहेज उत्पीड़न के एक मामले में पीड़ित पक्ष से केस में राहत देने के बदले 90 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताई, तो दारोगा ने बदले की भावना से कार्रवाई करते हुए जानबूझकर 12 निर्दोष लोगों को आरोपी बना

दिया।

ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल

मामला उस समय तूल पकड़ गया जब दारोगा द्वारा रिश्वत मांगने से जुड़ा एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल ऑडियो में कथित तौर पर दारोगा संदीप कुमार पैसों की मांग करते हुए साफ तौर पर सुने जा सकते हैं। ऑडियो सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया और मामले की जांच शुरू की गई।

दारोगा संदीप कुमार निलंबित

उच्च अधिकारियों ने वायरल ऑडियो का संज्ञान लेते हुए प्राथमिक जांच कराई, जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए। इसके बाद पुलिस विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दारोगा संदीप कुमार को निलंबित कर दिया। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं और भ्रष्टाचार से जुड़े पहलुओं की भी गहराई से पड़ताल की जा रही है।

आरोपी के खिलाफ जांच शुरु

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और यदि आरोप पूरी तरह साबित होते हैं तो आरोपी दारोगा के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना के सामने आने के बाद आम लोगों के बीच पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। यह मामला एक बार फिर यह सवाल खड़ा करता है कि जीरो टॉलरेंस की नीति के बावजूद भ्रष्टाचार पर पूरी तरह अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विभागीय जांच के बाद दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ कितनी सख्त कार्रवाई होती है।

'भारत को आर्थिक रूप से मजबूत कर रहा गुजरात... इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन और पार्टनरशिप का बड़ा मंच', राजकोट में बोले क्क्रूमोदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गुजरात के राजकोट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय समिट का उद्घाटन किया. अमरेली, भावनगर, जामनगर, कच्छ, मोरबी, राजकोट और सुरेंद्रनगर में 3540 एकड़ से ज्यादा एरिया में बने 13 नए स्मार्ट इंडस्ट्रियल एस्टेट इसमें शामिल हैं. इस दौरान पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत चुका है. बीते वर्षों में भारत ने बहुत तेज प्रगति भी की है और इसमें गुजरात की, आप सभी की बहुत बड़ी भूमिका रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेज गति से आगे बढ़ रहा है. जो आंकड़ें आ रहे हैं, उससे ये साफ है कि भारत से दुनिया की उम्मीदें लगातार बढ़ रही हैं. भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. बीते दो दशकों में वाइब्रेंट गुजरात समिट ने लगातार कुछ नया, कुछ विशेष किया है. वाइब्रेंट गुजरात का यह क्षेत्रीय सम्मेलन भी इसका एक उदाहरण बन गया है. ये सम्मेलन गुजरात की क्षेत्रीय संभावनाओं पर ध्यान केंद्रिय करते हुए आगे बढ़ रहा है. पीएम मोदी ने कहा कि जब भी वाइब्रेंट गुजरात समिट का मंच सजता है तो मुझे केवल एक समिट

नहीं दिखता. मुझे 21वीं सदी कि आधुनिक भारत की वो यात्रा नजर आती है जो एक सपने से शुरू हुई और आज एक अटूट भरोसे तक पहुंच चुकी है।

ग्लोबल ग्रोथ, इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन और पार्टनरशिप का मजबूत मंच

पीएम मोदी ने कहा कि 2 दशकों में वाइब्रेंट गुजरात की ये यात्रा एक ग्लोबल बेंचमार्क बन गई है. अब तक इसके 10 संस्करण हो चुके हैं और हर संस्करण के साथ इस समिट की पहचान और भूमिका दोनों मजबूत होती रही है. मैं वाइब्रेंट गुजरात के समिट के साथ पहले दिन से जुड़ा रहा. शुरूआती दिनों में हमारा लक्ष्य था कि गुजरात के सामर्थ्य से दुनिया परिचित हो, लोग यहां आएं और यहां निवेश करें, और इससे भारत को फायदा हो. लेकिन आज ये समिट निवेश से भी आगे बढ़कर ग्लोबल ग्रोथ, इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन और पार्टनरशिप का एक मंजबूत मंच बन गया है।

'विकास भी विरासत भी', ये मंत्र पूरी दुनिया में गूंज रहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समिट को संबोधित करते हुए कहा, 2026 के आरंभ के बाद ये मेरा गुजरात का पहला दौरा है और सुखद इसलिए भी है क्योंकि 2026 की मेरी यात्रा सोमनाथ दादा के चरणों में सिर झुकाकर शुरू हुई है. अब मैं राजकोट में इस शानदार कार्यक्रम में हिस्सा ले रहा हूं यानी 'विकास भी विरासत भी', ये मंत्र पूरी दुनिया में गूंज रहा है. इस दौरान पीएम मोदी के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे।

16 देशों के 110 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार ले रहे हिस्सा

समिट में अमेरिका और यूरोप सहित 16 देशों के 110 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार हिस्सा ले रहे हैं. इस दौरान 1,500 से अधिक सहमति पत्रों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है. बताया जा रहा है कि समिट में विपरीत क्रेता-विक्रेता बैठक (आरबीएसएम) के दौरान 1,800 से अधिक व्यावसायिक बैठकें निर्धारित की गई हैं. आमतौर पर विक्रेता अपनी दुकान या स्टॉल लगाकर बैठते हैं और ग्राहक उसके पास सामान देखने आते हैं. आरबीएसएम में खरीदार एक जगह बैठते हैं और विक्रेता उनके पास जाकर अपने उत्पाद दिखाते हैं।

वायु प्रदूषण की निरंतरता और सर्दी की मार बदलते मौसम में बिगड़ता जनजीवन

सामूहिक सावधानी की आवश्यकता

देश में वायु प्रदूषण अब किसी एक मौसम तक सीमित रहने वाली समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक ऐसी निरंतर चुनौती के रूप में सामने आया है, जिसने पर्यावरण, स्वास्थ्य और जनजीवन तीनों को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। हालिया अध्ययनों और उपग्रह आधारित विश्लेषणों से यह स्पष्ट हो रहा है कि देश के बड़े हिस्से में वायु गुणवत्ता लंबे समय से तय मानकों से नीचे बनी हुई है। इसका असर केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे और मध्यम शहर भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। इस स्थिति ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि वायु प्रदूषण को केवल मौसमी समस्या मानना वास्तविकता से मुंह मोड़ने जैसा है, क्योंकि इसके मूल में निरंतर उत्सर्जन और बदलते पर्यावरणीय हालात जुड़े हुए हैं। सर्दियों के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले लेती है। ठंडी हवा, कम तापमान और वातावरण में नमी के कारण प्रदूषक तत्व नीचे की सतह पर अधिक समय तक ठहर जाते हैं। इससे धुंध और स्मॉग की स्थिति बनती है, जो न केवल दृश्यता को कम करती है बल्कि सांस संबंधी बीमारियों, आंखों में जलन, त्वचा समस्याओं और हृदय रोगों के खतरे को भी बढ़ा देती है। देश के कई हिस्सों में सर्दी की मार और प्रदूषण के दोहरे प्रभाव ने जनजीवन को अस्तव्यस्त कर दिया है। स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति प्रभावित हो रही है, बुजुर्ग और पहले से बीमार लोग घरों में कैद होने को मजबूर हैं और सामान्य जन भी दैनिक गतिविधियों में कठिनाई महसूस कर रहा है। वायु प्रदूषण के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि यह समस्या किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। उत्तर भारत से लेकर पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों तक, अनेक शहर लगातार पीएम 2.5 और पीएम 10 के मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि हवा में मौजूद सूक्ष्म कण लंबे समय तक शरीर में प्रवेश कर फेफड़ों और रक्तप्रवाह को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह स्थिति एक प्रकार की प्राकृतिक आपदा जैसी बनती जा रही है, जिसमें मौसमीय परिस्थितियां प्रदूषण के प्रभाव को और तीव्र कर देती हैं। ऐसे में किसी एक व्यक्ति, संस्था या क्षेत्र की जवाबदेही तय करना व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि यह समस्या सामूहिक और व्यापक स्तर पर विकसित हुई है। सरकार ने इस गंभीरता को समझते हुए समय-समय पर एहतियातन कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम जैसे प्रयासों के माध्यम से वायु गुणवत्ता में सुधार लाने की कोशिश की जा रही है। शहरों में प्रदूषण की निगरानी के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग, प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों पर नियंत्रण, निर्माण गतिविधियों में धूल प्रबंधन, हरित क्षेत्र बढ़ाने और सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करने जैसे कदम इस दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इसके साथ ही सर्दियों के दौरान आपातकालीन योजनाओं को सक्रिय करने, स्कूलों के समय में बदलाव, खुले में जलाने पर प्रतिबंध और स्वास्थ्य सेवाओं को सतर्क रखने के निर्देश भी दिए जाते हैं ताकि प्रदूषण के दुष्प्रभावों को कम किया जा सके। सरकारी स्तर पर यह भी समझा जा रहा है कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दीर्घकालिक और सतत उपायों की आवश्यकता है। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, उद्योगों में आधुनिक तकनीक अपनाना, वाहनों के उत्सर्जन मानकों को सख्ती से लागू करना और शहरी नियोजन में पर्यावरणीय संतुलन को प्राथमिकता देना ऐसे प्रयास हैं, जो समय के साथ सकारात्मक परिणाम दे सकते हैं। हालांकि, इन उपायों के प्रभावी होने में समय लगता है और तब तक जनता को सावधानी और संयम बरतने की जरूरत होती है। सामान्य नागरिकों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदूषण से बचाव के लिए लोगों को व्यक्तिगत स्तर पर भी सतर्क रहना होगा। खराब वायु गुणवत्ता के दिनों में अनावश्यक बाहर निकलने से बचना, विशेषकर सुबह और देर शाम के समय, स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी हो सकता है। घर के अंदर स्वच्छता बनाए रखना, खिड़कियों और दरवाजों को उचित समय पर खोलना-बंद करना और जहां संभव हो वहां वायु शुद्धिकरण के उपाय अपनाना सहायक सिद्ध हो सकते हैं। बुजुर्गों, बच्चों और श्वसन रोग से पीड़ित व्यक्तियों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए और किसी भी असुविधा की स्थिति में चिकित्सकीय सलाह लेने में देरी नहीं करनी चाहिए। सर्दी के मौसम में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर पड़ सकती है, इसलिए संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और गर्म कपड़ों का उपयोग आवश्यक है। यह केवल ठंड से बचाव के लिए नहीं, बल्कि प्रदूषण के प्रभाव को कम करने में भी सहायक होता है। मास्क का उपयोग, विशेषकर भीड़भाड़ वाले और अधिक प्रदूषित क्षेत्रों में, एक सरल लेकिन प्रभावी उपाय हो सकता है। इसके अलावा, नियमित स्वास्थ्य जांच और जागरूकता भी इस समस्या से निपटने में सहायक भूमिका निभा सकती है। वायु प्रदूषण को प्राकृतिक आपदा के रूप में देखने का अर्थ यह नहीं है कि इसके समाधान असंभव हैं, बल्कि यह स्वीकार करना है कि इसके प्रभाव व्यापक हैं और इसके लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। बदलते मौसम, शहरीकरण और औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण पर दबाव बढ़ा है, जिससे इस तरह की स्थितियां उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे में सरकार, समाज और व्यक्ति सभी को मिलकर सावधानी, जागरूकता और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ना होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि वायु प्रदूषण को केवल आंकड़ों और रिपोर्टों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनस्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता से जोड़कर देखा जाए। सर्दी की मार और प्रदूषण की गंभीरता हमें यह संदेश देती है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक है। यदि समय रहते सावधानी और सतत प्रयास किए जाएं, तो इस चुनौती का सामना किया जा सकता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

कांतिलाल मांडोत

हिंदी हमारी संस्कृति का गौरव और स्वाभिमान है

हम भारतीय हैं, और हिंदी हमारी संस्कृति का गौरव है। आज हिंदी न केवल भारत की राजभाषा है, बल्कि विश्व की सबसे अधिक बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में तीसरे स्थान पर है। भारत के हर राज्य में अपनी-अपनी स्थानीय भाषाएँ बोली जाती हैं, लेकिन हिंदी लगभग हर राज्य में प्रचलित है। यह सरकारी कार्यालयों से लेकर आम लोगों के रोज़मर्रा के संवाद तक का प्रमुख माध्यम बनी हुई है। सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', फणीश्वरनाथ रेणु, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, मुंशी प्रेमचंद, हरिवंश राय बच्चन, रामधारी सिंह 'दिनकर' और मैथिलीशरण गुप्त जैसे महान साहित्यकारों ने कविता, उपन्यास, नाटक और कहानियों के माध्यम से हिंदी साहित्य को अपार समृद्धि प्रदान की। ब्रिटिश काल में अंग्रेजों के खिलाफ जन-जागरण और क्रांति में हिंदी साहित्यकारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आधुनिक काल में मोहन राकेश, गीत चतुर्वेदी, मृदुला गर्ग, मनु भंडारी आदि ने अपनी सशक्त लेखनी से हिंदी को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। वर्तमान में समसामयिकी मुद्दे पर चर्चित लेखक नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप' हिंदी में अपनी मजबूत लेखनी द्वारा हिंदी को बढ़ावा दे रहे हैं। हालाँकि, संविधान लागू होने के 75 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी उच्च शिक्षा, कानून और तकनीकी क्षेत्रों में अंग्रेजी ही प्रमुख माध्यम बनी हुई है। राजनीतिक स्वतंत्रता मिले 78 वर्ष हो चुके हैं, किंतु मानसिक गुलामी आज भी बरकरार है और डिजिटल युग में यह और गहराती जा रही है। आजकल कई शिक्षित माता-पिता हिंदी को हेय दृष्टि से देखते हैं और बच्चों को जन्म से ही अंग्रेजी में बोलना सिखाते हैं। आधुनिक अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी बोलना अक्सर प्रतिबंधित-सा लगता है। नौकरी के साक्षात्कारों से लेकर सार्वजनिक बैठकों तक अंग्रेजी बोलने वालों को अधिक सम्मान मिलता है, जबकि हिंदी को कमतर आँका जाता है। हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जिसमें लगभग कुल वक्ता 60 करोड़ से अधिक हैं। विश्व के 150 से अधिक देशों में करोड़ों प्रवासी हिंदी बोलते और लिखते हैं। कई विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। भारत की लगभग 50 प्रतिशत से अधिक आबादी हिंदी को समझती और बोल सकती है, फिर भी ज्ञान-विज्ञान, तकनीकी शिक्षा और उच्च अध्ययन का माध्यम अभी भी मुख्यतः अंग्रेजी है। हिंदी साहित्य, काव्य और आलेखों में तो अद्भुत योगदान हुआ है, किंतु वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में हिंदी माध्यम की गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों का अभाव बना हुआ है। हिंदी भारत की आत्मा है और हजारों वर्ष पुरानी है। यह हमारी सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में हिंदी के प्रति विरोध देखा जाता है, जहाँ इसे थोपने की आशंका जताई जाती है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हिंदी हमारी एकता का सूत्र है। दूसरी भाषाएँ सीखना उत्तम है, किंतु अपनी मातृभाषा को तिरस्कृत करना अपनी जड़ों से कटना है। हिंदी में बोलना, लिखना और पढ़ना न केवल भाषा को समृद्ध करेगा, बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान को भी सशक्त बनाएगा। डिजिटल युग में हिंदी का वैश्विक प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। यूट्यूब, सोशल मीडिया, ऐप्स और एआई टूल्स पर हिंदी कंटेंट की भरमार है। हिंदी भारत की राजभाषा होने के साथ-साथ फिजी की भी आधिकारिक भाषा है। भारत के बढ़ते आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रभाव से विदेशों में हिंदी सीखने की रुचि बढ़ रही है। विश्व हिंदी सचिवालय (मॉरीशस में स्थापित) हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने का कार्य कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को आधिकारिक भाषा बनाने की पहल जारी है, हालाँकि अभी यह पूर्ण नहीं हुई है। हिंदी को तकनीकी और डिजिटल युग के अनुरूप विकसित करना आवश्यक है। स्कूलों-विश्वविद्यालयों में हिंदी माध्यम की शिक्षा को प्रोत्साहन देना और जहाँ संभव हो, अनिवार्य बनाना चाहिए। सभी राज्यों के नागरिकों को समझाना होगा कि अपनी भाषा का अपमान स्वयं का अपमान है। जब तक हम अंग्रेजी को प्रतिष्ठा का प्रतीक और भारतीय भाषाओं को साधारण मानते रहेंगे, हिंदी का पूर्ण उत्थान संभव नहीं। हिंदी हमारी जन्मभूमि की आत्मा है। हिंदी बोलने, लिखने, पढ़ने और सीखने में हमें शर्म नहीं, बल्कि गर्व होना चाहिए। देश में हिंदी के प्रति सम्मान, ज्ञान और स्वाभिमान जगाने के लिए देशव्यापी जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता है। हमारा कर्तव्य है, हिंदी को अपनाकर उसकी वास्तविक गरिमा प्रदान करें, क्योंकि हिंदी सिर्फ भाषा नहीं, हमारा स्वाभिमान है।

अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'

छात्रा की मौत के पीछे रह गए अनुत्तरित सवाल

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के धर्मशाला डिग्री कॉलेज की 19 वर्षीय छात्रा की इलाज के दौरान मौत मामला तूल पकड़ता जा रहा है. मृतक के परिजनों के आधार पर की गई शिकायत पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर की है. शिकायत पर एक प्रोफेसर सहित तीन लोगों के खिलाफ रैगिंग और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं. सवाल है कि आखिर एक होनहार छात्रा को मौत के मुंह में धकेलने के लिए कौन जिम्मेदार है? हमारे उच्च शिक्षा संस्थान उत्पीड़न के अड्डे में क्यों तब्दील हो रहे हैं? शिक्षकों की संवेदनशीलता और नैतिकता कहां गायब हो रही है? पुलिस थाना धर्मशाला में दर्ज शिकायत में बताया गया है कि मृतक छात्रा डिग्री कॉलेज में द्वितीय वर्ष की छात्रा थी. आरोप है कि 18 सितंबर को कॉलेज की कुछ छात्राओं ने उनकी बेटी के साथ मारपीट की और उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां दी. एफआईआर में मृतक छात्रा के परिजनों ने कॉलेज के प्रोफेसर अशोक कुमार पर यौन उत्पीड़न के भी आरोप लगाए हैं.परिजनों के बताया कि कॉलेज प्रोफेसर की इन हरकतों के बाद छात्र गहरे सदमे में चली गई. धीरे-धीरे उसकी हालात बिगड़ती गई. छात्रा के परिजनों के अनुसार विभिन्न अस्पताल में इलाज के बाद 26 दिसंबर को लुधियाना के डीएमसी अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. इतना ही नहीं छात्रा की मौत के बाद दर्ज हुई एफआईआर में यह भी लिखा गया है कि कॉलेज की कुछ लड़कियां उसके साथ मारपीट करती हैं। पुलिस के अनुसार, यह मामला पीड़िता के पिता की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है. शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 18 सितंबर 2025 को कॉलेज की तीन सीनियर छात्राओं- हर्षिता, आकृति और कोमोलिका ने उनकी बेटी के साथ रैगिंग की और उसके साथ मारपीट की. इसके साथ ही कॉलेज के प्रोफेसर अशोक कुमार पर पीड़िता के साथ अशोभनीय व्यवहार और यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगाए गए हैं। छात्रा ने मरने से पहले इसको लेकर एक वीडियो भी जारी किया था. पुलिस के मुताबिक लड़की के साथ यह घटनाक्रम 18 सितंबर को शुरू हुआ. खुद के साथ हुए घटनाक्रम से वह डिप्रेशन में चली गई. इसके बाद लगातार उसकी तबीयत खराब होती गई और वह अलग-अलग साथ अस्पतालों में उसका इलाज चला लेकिन तबीयत में सुधार नहीं हुआ. इसी बीच 26 दिसंबर 2025 को सुबह करीब 6 बजे पल्लवी की मौत हो गई। आरोप है कि तीन सीनियर छात्राओं ने उसे रैगिंग का शिकार बनाया और एक कॉलेज प्रोफेसर ने उसका यौन उत्पीड़न किया. अब छात्रा का एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपने कॉलेज में झेली गई आपबीती बता रही है.छात्रा ने अपनी लास्ट वीडियो में बताया कि अशोक सर पीछे पढ़ जाते थे और अजीब-अजीब हरकतें करते थे. छात्रा ने वीडियो के जरिए कॉलेज प्रोफेसर पर यह भी आरोप लगाया की अशोक सर मुझे गलत जगह टच करते थे. इतना नहीं वीडियो में छात्रा ये भी कहती सुनाई दे रही है कि आपको कैसे बताऊं, मैं उठकर बताउंगी. लेकिन छात्रा ठीक नहीं हो पाई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दूसरी और छात्रा के मरने के बाद एक वीडियो और सामने आया है, जिसमें छात्रा की मां और पिता उससे पूछते नज़र आए कि कॉलेज में तुम्हारे साथ क्या-क्या होता है? इस पर छात्रा कहती है कि लड़कियां मारती थीं और पढ़ने नहीं देती थीं. साथ ही छात्रा ने यह भी बताया कि कॉलेज में लड़कियों ने उसे सिर पर भी मारा था. इसके अलावा लड़कियां मुझे पढ़ने भी नहीं देती थीं. छात्रा के फेल होने पर उसे लड़कियां तंग करती थीं। पूरे मामले को लेकर यूजीसी ने जांच के आदेश दिए हैं. अधिकारियों के अनुसार, यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के एक सरकारी कॉलेज में रैगिंग के आरोपों के बाद एक छात्रा की मौत की जांच के आदेश दिए हैं। यूजीसी ने घटना की जांच के लिए एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनाई है. एक सीनियर यूजीसी अधिकारी ने कहा कि यूजीसी ने धर्मशाला के सरकारी डिग्री कॉलेज में एक छात्रा की दुखद मौत का गंभीर संज्ञान लिया है. यूजीसी एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन ने मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर खुद ही शिकायत दर्ज की है, जिसमें रैगिंग के कारण आत्महत्या का आरोप लगाया गया है. जबकि कॉलेज अधिकारियों ने कहा है कि यह मामला मौत का है, आत्महत्या का नहीं। अधिकारी ने आगे कहा कि पुलिस जांच चल रही है और यूजीसी ने घटना की जांच के लिए एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनाई है. यूजीसी भरोसा दिलाता है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. छात्रों की सुरक्षा सबसे ज़रूरी है. पुलिस के अनुसार कॉलेज के तीन छात्रों पर रैगिंग और जानबूझकर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है. साथ ही एक प्रोफेसर पर भी यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है। एसपी कांगड़ा अशोक रतन ने बताया कि मामले की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है. यह मामला पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 75, 115(2), 3(5) और हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक संस्थान (रैगिंग निषेध) अधिनियम, 2009 की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया गया है. एसपी ने यह भी कहा कि छात्रा का बड़े अस्पताल में इलाज हो रहा था। देश के शिक्षण संस्थानों में लगातार शैक्षिक स्तर में गिरावट आई रही है वहीं हर साल पचास से अधिक छात्र छात्राओं की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाती है। हमारी शिक्षा व्यवस्था में शिक्षा के साथ दीक्षा की जरूरत है वहीं शिक्षकों में पेशेगत योग्यता के साथ साथ नैतिकता और सदाचार का कठोर प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है मौजूदा घटना भी इस जरूरत को संकेत करती है वहीं जो शिक्षक स्वयं असंवेदनशील और कदाचार मे लिप्त हैं उनसे प्रेरित होकर अन्य छात्र छात्राओं द्वारा भी सज्जन और चरित्रवान छात्र छात्राओं का शारीरिक मानसिक उत्पीड़न किया जाता है। इस छात्रा की मौत की उच्च स्तरीय जांच कर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

सूर्य, संस्कृति और स्त्रीः मकर संक्रांति का भारतीय स्वरूप

सूर्य के उत्तरायण संग नारी चेतना का जागरण

मकर संक्रांतिः परंपरा की वाहक और परिवर्तन की सूत्रधार स्त्री

जब शीत ऋतु की कठोरता के बीच सूर्य उत्तरायण होता है और अंधकार से प्रकाश की यात्रा आरंभ होती है, तब मकर संक्रांति केवल तिथि परिवर्तन का संकेत नहीं देती, बल्कि भारतीय चेतना के नवजागरण का उद्घोष करती है। यह पर्व ऋतु, कृषि, आस्था और सामाजिक एकता का संगम है। भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश में मकर संक्रांति अनेक नामों और रूपों में मनाई जाती है, किंतु उसकी आत्मा एक ही रहती है। इन सभी रूपों को जीवंत बनाए रखने में महिलाओं की भूमिका केंद्रीय, सशक्त और प्रेरणादायक रही है। आधुनिक युग की व्यस्तता के बावजूद नारी शक्ति इस पर्व को परंपरा और परिवर्तन के संतुलन के साथ आगे बढ़ा रही है। मकर संक्रांति सूर्य उपासना का पर्व है, जो जीवन में सकारात्मकता, ऊर्जा और संतुलन का प्रतीक माना जाता है। यह वह समय है जब किसान नई फसल के आगमन का उत्सव मनाते हैं और समाज श्रम के सम्मान को स्वीकार करता है। महिलाओं के लिए यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परिवार और समाज को जोड़ने का माध्यम है। वे घर की रसोई से लेकर सामुदायिक आयोजनों तक, हर स्तर पर इस पर्व की आत्मा को साकार करती हैं। उनकी सहभागिता से यह उत्सव भावनात्मक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनता है। उत्तर भारत में मकर संक्रांति लोहड़ी और माघी के रूप में मनाई जाती है। पंजाब और हरियाणा में महिलाएँ अग्नि के चारों ओर घूमकर तिल, गुड़, मूंगफली और रेवड़ी अर्पित करती हैं। लोकगीतों की मधुर ध्वनि और गिद्दा-भांगड़ा की लय से वातावरण उल्लासपूर्ण हो उठता है। नवविवाहित बहुओं को विशेष सम्मान दिया जाता है, जो उन्हें परिवार की परंपरा से जोड़ने का प्रतीक है। यहाँ महिलाएँ सामूहिक उत्सव की धुरी बनती हैं और नारी शक्ति तथा सामाजिक एकता का सजीव उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। पश्चिम भारत में यह पर्व महाराष्ट्र में मकर संक्रांति के नाम से हल्दी-कुंकू और तिलगुल की परंपरा से जुड़ा है। विवाहित महिलाएँ एक-दूसरे को तिल-गुड़ की मिठाइयाँ भेंट करती हैं और मधुर वाणी का संदेश देती हैं। घर-घर में सौहार्द और अपनत्व का वातावरण बनता है। नवविवाहित महिलाएँ विशेष पूजा करती हैं और पारंपरिक वस्त्र धारण करती हैं। यह पर्व महिलाओं के बीच आपसी सहयोग, सम्मान और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का सशक्त माध्यम बनता है। मध्य भारत में मकर संक्रांति को सुकरात या सक्रात कहा जाता है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में महिलाएँ हल्दी-कुंकू की रस्म निभाती हैं, एक-दूसरे को आमंत्रित करती हैं और तिल-गुड़, खिचड़ी, लाई तथा लड्डुओं का आदान-प्रदान करती हैं। नदियों में स्नान, पूजा-अर्चना और दान-पुण्य की परंपरा सौभाग्य और पारिवारिक सुख की कामना से जुड़ी होती है। हाल के वर्षों में सामाजिक और सरकारी प्रयासों से यह पर्व महिला सशक्तीकरण और सामाजिक समरसता का प्रतीक भी बन रहा है। गुजरात में मकर संक्रांति उत्तरायण के रूप में मनाई जाती है। रंग-बिरंगी पतंगों से भरा आकाश उल्लास, स्वतंत्रता और आशा का प्रतीक बन जाता है। महिलाएँ भी पूरे उत्साह से पतंगबाजी में भाग लेती हैं और परिवार के साथ इस आनंद को साझा करती हैं। राजस्थान में यह पर्व सुहाग और सौभाग्य से जुड़ा है। सुहागिन महिलाएँ सास को वायना देकर आशीर्वाद लेती हैं, अन्य विवाहित महिलाओं को वस्त्र और श्रृंगार सामग्री दान करती हैं तथा सामूहिक भोज का आयोजन करती हैं। ये परंपराएँ महिलाओं की सामाजिक भूमिका और पारिवारिक संतुलन को उजागर करती हैं। दक्षिण भारत में यही पर्व पोंगल, मकर संक्रांति/सुग्गी हब्बा, पेड्डा पांडुगा के रूप में मनाया जाता है। तमिलनाडु में महिलाएँ घर के आँगन में रंगोली बनाती हैं, सूर्य और प्रकृति की पूजा करती हैं तथा पोंगल पकाकर समृद्धि की कामना करती हैं। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी महिलाएँ पारंपरिक व्यंजन बनाकर पड़ोसियों के साथ साझा करती हैं। यहाँ यह पर्व प्रकृति और मानव के सह-अस्तित्व का उत्सव बन जाता है, जिसमें नारी की भूमिका सृजन और पोषण की प्रतीक के रूप में उभरती है।आधुनिक युग में महिलाएँ इन परंपराओं को केवल निभा ही नहीं रहीं, बल्कि उन्हें नई चेतना से जोड़ रही हैं। वे स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन तैयार कर रही हैं, पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैला रही हैं और सामाजिक सेवा को पर्व से जोड़ रही हैं। सामुदायिक दान, जरूरतमंदों की सहायता और सांस्कृतिक शिक्षण के माध्यम से वे मकर संक्रांति को व्यापक सामाजिक अर्थ प्रदान कर रही हैं। संचार माध्यमों के उपयोग से महिलाएँ युवा पीढ़ी को पर्व के महत्व से जोड़ने में भी सफल हो रही हैं। परंपराओं को अगली पीढ़ी तक जीवंत रूप में पहुँचाने में माताओं की भूमिका निस्संदेह अमूल्य और आधारभूत है। वे बच्चों को केवल उत्सव की बाहरी चमक या औपचारिक रस्में निभाना ही नहीं सिखातीं, बल्कि सूर्य, कृषि, श्रम और प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान तथा कृतज्ञता का संस्कार भी देती हैं। लोककथाओं की कथन-शैली, पारंपरिक गीतों की लय और पारिवारिक अनुष्ठानों की आत्मीयता बच्चों के मन में सांस्कृतिक स्मृति को स्थायी रूप से अंकित करती है। इसी निरंतर, स्नेहपूर्ण और अर्थपूर्ण शिक्षण के माध्यम से मकर संक्रांति मात्र वर्तमान का पर्व न रहकर भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सशक्त सांस्कृतिक पूँजी और पहचान बन जाती है। मकर संक्रांति–चाहे वह लोहड़ी के उल्लास में प्रकट हो, माघी की आस्था में सिमटी हो, उत्तरायण की उमंग में उड़ती हो, पोंगल की समृद्धि में ढली हो या सक्रात की परंपरा में रची-बसी हो–हर नाम और हर रूप में भारतीय संस्कृति की एक ही आत्मा विद्यमान है। इस आत्मा को जीवंत और सशक्त बनाए रखने वाली सबसे मजबूत कड़ी महिलाएँ हैं। उनकी आस्था, श्रम और संवेदना से यह पर्व समय और पीढ़ियों की सीमाओं को पार करता है। सूर्य के उत्तरायण होने के साथ नारी शक्ति भी समाज को प्रकाश, एकता और आशा की सकारात्मक दिशा में आगे ले जाती है। यही मकर संक्रांति की अनुपम, अप्रतिम और शाश्वत महिमा है।

कृति आरके जैन

नशे में डूबा जश्न और होश में डूबे मातम

[सड़क ने कुछ नहीं छीना, हमने सब दे दिया]

[यह सड़क दुर्घटना नहीं, संस्कारों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट है]

घड़ी में अभी पाँच बजने में कुछ ही मिनट बाकी थे। वह खामोश, धोखेबाज़ वक्त–रात और सुबह के बीच का–जब शरीर थक चुका होता है, दिमाग़ सुन्न पड़ जाता है और इंसान खुद को सबसे ज़्यादा अजेय समझ बैठता है। तभी अचानक एक तेज़ धमाका हुआ। सड़क पर नहीं, सीधे समाज की चेतना पर। वह टक्कर सिर्फ़ वाहन और वाहन के बीच नहीं थी; यह ज़िंदगी और लापरवाही के बीच हुई निर्मम भिड़ंत थी। इंदौर शहर में 09 जनवरी की वह सुबह तीन परिवारों के लिए कभी खत्म न होने वाली रात बन गई। तीन ज़िंदगियाँ वहीं थम गईं, और एक ज़िंदगी आज भी अस्पताल के बिस्तर पर मौत से जूझ रही है। पुलिस की बताई कहानी इस त्रासदी को और भी निर्मम बना देती है। दो युवक और दो युवतियाँ, जिनमें से एक का जन्मदिन था, रात भर जश्न में डूबे रहे। शराब की बोतलें, डिस्पोज़ेबल गिलास और देर रात तक चलने वाला उत्सव–सब कुछ उस कार के भीतर मौजूद था, जो अलसुबह तेज़ रफ्तार में आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। यह महज़ एक 'गलत मोड़' नहीं था; यह नशे, थकान और गैर-जिम्मेदारी का निर्मम परिणाम था। जब नशा दिमाग़ पर हावी हो जाता है, तब ब्रेक नहीं, विवेक फेल होता है। और उसी फेल विवेक की कीमत इंसान को जान देकर चुकानी पड़ती है। हम ऐसी घटनाओं को अक्सर 'दुर्घटना' कहकर खुद को तसल्ली दे लेते हैं। यह शब्द हमें बच निकलने का भ्रम देता है। लेकिन सच्चाई यह है कि यह कोई अचानक टूटी हुई किस्मत नहीं थी, बल्कि धीरे-धीरे बुनी गई लापरवाही की चादर थी। देर रात तक शराब पीना, नींद की अनदेखी करना, तेज़ रफ्तार को रोमांच समझना, और यह मान लेना कि 'कुछ नहीं होगा '–ये सभी सोच-समझकर लिए गए फैसले थे। और फैसलों के परिणाम होते हैं। यहाँ परिणाम इतना भयावह था कि तीन सांसें हमेशा के लिए थम गईं। आज का समाज युवाओं की आज़ादी पर गर्व करता है, लेकिन जिम्मेदारी की बात आते ही चुप हो जाता है। जश्न मनाना गुनाह नहीं है; जन्मदिन खुशी का मौका होता है। लेकिन जब खुशी विवेक को कुचल देती है, तब वह उत्सव नहीं, बल्कि आत्मघात बन जाता है। शराब पीकर गाड़ी चलाना सिर्फ़ कानून तोड़ना नहीं है; यह दूसरों की जान को दांव पर लगाना है। और यह सोचना कि 'मैं संभाल लूंगा' नशे का सबसे बड़ा झूठ है। तेज़ रफ्तार को आज भी ताक़त और स्टेटस का प्रतीक माना जाता है। खाली सड़कें युवाओं को चुनौती देती हैं, और नशे में डूबा दिमाग़ उस चुनौती को स्वीकार कर लेता है। लेकिन सड़क किसी को माफ़ नहीं करती। खड़ा ट्रक कोई अचानक उभरी बाधा नहीं था–वह वहीं था, साफ़ और अडिग। जो नहीं था, वह था नियंत्रण, सजगता और समझ। नशा सिर्फ़ आँखों की रोशनी नहीं छीनता; वह निर्णय लेने की क्षमता भी तबाह कर देता है। यही वजह है कि ऐसे हादसों में पछतावे का मौका तक नहीं मिलता। इस त्रासदी का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि इसकी कीमत सिर्फ़ उन चार लोगों ने नहीं चुकाई। इसकी कीमत उनके माता-पिता चुका रहे हैं, जिनके सपने ताबूत में बंद हो गए। इसकी कीमत वह घर चुका रहा है, जहाँ अब जन्मदिन की तारीख़ मातम की तारीख़ बन गई है। एक मां का सवाल–'मैंने उसे रोका क्यों नहीं?' और एक पिता की चुप्पी– 'मैंने उसे समझाया क्यों नहीं? '–इन सवालों का कोई जवाब नहीं होता, बस उम्र भर का बोझ होता है। यहीं परिवारों की भूमिका सबसे अहम हो जाती है। बुराइयों से बचाने में परिवार ही पहली जिम्मेदारी निभाता है। अगर घर में खुलकर संवाद हो, अगर बच्चों को यह समझाया जाए कि नशा आधुनिकता नहीं, बल्कि विनाश है, तो शायद कई फैसले बदल सकते हैं। सिर्फ़ पढ़ाई और करियर पर ध्यान देना काफी नहीं; जीवन मूल्यों की शिक्षा उससे भी ज़्यादा ज़रूरी है। माता-पिता का व्यवहार, उनकी आदतें और उनका दृष्टिकोण बच्चों की सोच की नींव बनता है। अगर घर में ही नियमों को हल्के में लिया जाएगा, तो बाहर उनसे पालन की उम्मीद खोखली रह जाएगी। दोस्तों की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी और अहम होती है जितनी परिवार की होती है। सच्ची दोस्ती वही है, जो सबसे मुश्किल और गलत समय में भी हिम्मत करके रोक सके। नशे में गाड़ी चलाने देना दोस्ती नहीं, अपराध में साझेदारी है। अक्सर समूह में यह सोच बन जाती है कि कोई और रोक लेगा, कोई और संभाल लेगा। इसी 'कोई और' के भरोसे कई ज़िंदगियाँ हमेशा के लिए खतरे में डाल दी जाती हैं। अगर उस रात किसी ने चाबी छीन ली होती, किसी ने सख़्ती से मना किया होता, तो शायद आज तीन घर सूने न होते और तीन परिवारों की खुशियाँ अभी भी जिन्दा होतीं। प्रशासन और कानून की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। शराब पीकर ड्राइविंग पर सख़्त कार्रवाई, तेज़ रफ्तार पर सतत निगरानी और सड़कों की बेहतर व्यवस्था ज़रूरी हैं। लेकिन यह मान लेना कि सिर्फ़ कानून ही सब कुछ ठीक कर देगा, सबसे बड़ी भूल है। कानून डर पैदा कर सकता है, लेकिन संस्कार नहीं। संस्कार घर और समाज से आते हैं। जब तक जिम्मेदारी को सहज,

संक्षिप्त खबरें

हाइवे किनारे पानी से भरे गड्ढे में मिला शव, नहीं हो सकी शिनाख्त

कालपी(जालौन): आटा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह हाईवे किनारे रेलवे स्टेशन के सामने पानी से भरे एक गड्ढे में अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव से दुर्गंध आने पर रेलवे कर्मचारियों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही आटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पानी में से शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। प्रारंभिक जांच में शव करीब 10 से 12 दिन पुराना बताया जा रहा है, जिसके चलते उसकी हालत काफीखराब हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 40 से 42 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। शव के पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद नहीं हुए हैं, जिससे मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव मिलने की सूचना फैलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर घटनास्थल पर जुट गए। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान के प्रयासों के तहत आसपास के गांवों, रेलवे स्टेशन क्षेत्र और हाईवे पर कार्य करने वाले लोगों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही रेलवे पुलिस और अन्य थानों से गुमशुदगी के मामलों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। आटा थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। उन्होंने बताया कि मृतक की जेब से सिगरेट की एक डिब्बी मिली है और वह स्वेटर व जैकेट पहने हुए था। फिलहाल मामले की जांच सभी पहलुओं पर की जा रही है।

अराजक तत्वों ने मंदिर में क्षतिग्रस्त की मूर्तियां, पुलिस प्रशासन ने सूझबूझ का दिया परिचय

उरई (जालौन)- रेढ़र थाना क्षेत्र अंतर्गत ईंगुई गांव स्थित शंकर जी के मंदिर में शुक्रवार देर रात अराजकतत्वों ने शिवलिंग और नंदी बाबा की मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। शनिवार सुबह जब ग्रामीण पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे तो क्षतिग्रस्त मूर्तियां देखकर वे स्तब्ध रह गए। घटना की जानकारी फैलते ही गांव में सनसनी फैल गई और मंदिर परिसर के आसपास ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मंदिर में शिवलिंग और नंदी की स्थापना कराने वाले हरगोविंद वर्मा ने मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी अंबुज यादव, रेढ़र थाना प्रभारी रमाशंकर कटियार और हल्का प्रभारी इमरान खान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और ग्राम प्रधान सियाराम सहित ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। पुलिस ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत नई शिवलिंग और नंदी की मूर्तियां मंगवाकर हरगोविंद वर्मा को सौंप दीं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों की सहमति और विधि-विधान के अनुसार शीघ्र ही मूर्तियों की पुनः स्थापना कराई जाएगी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से गांव में व्याप्त तनाव नियंत्रित हो सका। क्षेत्राधिकारी अंबुज यादव ने बताया कि घटना को अंजाम देने वाले अराजकतत्वों की पहचान की जा रही है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल पुलिस ने गांव में अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए जांच शुरू कर दी है।

मोहनलालगंज में भारतीय किसान यूनियन भानू गुट की मासिक बैठक संपन्न, एक फरवरी से निकलेगी किसान क्रांति पदयात्रा

मोहनलालगंज (लखनऊ)। भारतीय किसान यूनियन (भानू गुट) की मासिक बैठक शनिवार को मोहनलालगंज ब्लॉक परिसर में आयोजित की गई, जिसमें सैकड़ों किसान शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य किसानों की समस्याओं को लेकर एकजुटता और संगठन की रणनीतियों पर चर्चा करना था। प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा ने बैठक में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में किसान कई चुनौतियों का सामना कर रहा है, लेकिन भारतीय किसान यूनियन हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने घोषणा की कि 1 फरवरी से 10 दिवसीय 'किसान क्रांति पदयात्रा' शुरू की जाएगी, जो लखनऊ जनपद के विभिन्न तहसीलों और ब्लॉकों से गुजरते हुए किसानों की प्रमुख मांगों को प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष मजबूती से उठाएगी। बैठक में जिला अध्यक्ष अनुरेंद्र कुमार अन्नू ने कहा कि संगठन किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार संघर्षरत है और आने वाले समय में संगठन का आंदोलन और अधिक व्यापक होगा। इस अवसर पर किसानों ने अपने मुद्दे उठाए, जिनमें सिंचाई, बिजली, खाद-बीज, आवारा पशु और मुआवजे जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। किसानों ने इन समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। 'किसान एकता और संगठन की मजबूती हमारा मुख्य उद्देश्य है,' जिला अध्यक्ष अन्नू ने कहा। बैठक का समापन किसानों के हितों की रक्षा और संगठन की ताकत को और बढ़ाने के संकल्प के साथ किया गया। बैठक में भाकियू के मण्डल मीडिया प्रभारी मुकेश द्विवेदी समेत कई पदाधिकारी और किसान उपस्थित रहे।

'मोहनलालगंज ब्लॉक में तहरी भोज और पत्रकार-समाजसेवी सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

● ...भारतीय किसान यूनियन भानू गुट द्वारा आयोजित समारोह में किसान, पत्रकार और समाजसेवियों को किया गया सम्मानित, समारोह में उमड़ा भारी जनसैलाब।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन (भानू गुट) के तत्वावधान में शनिवार को मोहनलालगंज ब्लॉक परिसर में मासिक बैठक, तहरी भोज और पत्रकार-समाजसेवी सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह में क्षेत्र के सैकड़ों किसान, पत्रकार और समाजसेवी शामिल हुए, और कार्यक्रम जनसभात्मक रूप में बदल गया।

कार्यक्रम की शुरुआत ब्लॉक सभागार में क्षेत्र के समाजसेवियों को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित करने से हुई। इस अवसर पर भाकियू (भानू) के प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा ने समाजसेवियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे समाज के सच्चे प्रहरी होते हैं, जिनकी सक्रियता से कुरीतियों का अंत और कमजोर वर्ग को न्याय दिलाना संभव हो पाता है।

जिला अध्यक्ष अनुरेंद्र कुमार अन्नू ने संगठन की कार्ययोजना पर चर्चा की और कहा कि भाकियू किसानों की समस्याओं को लेकर लगातार संघर्षरत है। उनका मुख्य उद्देश्य किसानों को एक मंच पर लाकर उनकी आवाज को सशक्त करना है। कार्यक्रम में पत्रकारों को किसान हितों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हुए निगोहां प्रेस क्लब के संरक्षक मुकेश द्विवेदी ने कहा कि किसान और पत्रकार समाज के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार जय शुक्ला का जन्मदिन भी मनाया गया, जिससे कार्यक्रम में

और उत्साह का माहौल बना। सम्मान समारोह में भारतीय किसान यूनियन की ओर से पत्रकारों और समाजसेवियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया और उन्हें स्मृति चिह्न स्वरूप डायरी और पेन भेंट किए गए। सम्मान समारोह में लगभग दो दर्जन से अधिक पत्रकारो को सम्मानित किया गया। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन भानू गुट के पदाधिकारियों की मौजूदगी रही। समारोह का समापन किसान एकता, सामाजिक समरसता और संगठन की मजबूती के संकल्प के साथ किया गया।

शादी के छः माह बाद भी नही मिला शादी अनुदान

माल/लखनऊ। राजधानी लखनऊ में समाज कल्याण की शादी अनुदान योजना का लाभ निर्धन व जरूतमंद लड़कियों को नहीं मिल पा रहा है। जरूरत मंद के परिजन दर दर भटक ररहे हैं।परिजन विभाग के खिलाफ अपना रोष जता रहे हैं। माल क्षेत्र की नारायणपुर गांव निवासी वृद्ध महिला गुड्डी का आरोप है कि,बेटी की शादी का शादी अनुदान के छः माह पूर्व आवेदन की समस्त प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी उन्हें योजना का लाभ नहीं मिला है। विभाग के जिम्मेदारों ने बेटी के आवेदन पर गौर नहीं किया। उन्होंने सरकार से आवेदन पत्रों की जांच कराकर अनुदान दिए जाने की मांग की है।

क्या बोले जिम्मेदार

इस संबंध में जिला समाज अधिकारी लखनऊ ने बताया कि,पोर्टल का इश्यू है।पोर्टल अच्छे से काम नहीं कर रहा है।जो हमारे पास जांच होके आ जाते हैं उनका पेमेंट कर देते हैं।लाभार्थी अगर बैंक खाता आधार से लिंक न करवाएं हों तो अवश्य करवा लें।

चौहान गुट ने अमर शहीद ननकू सिंह को पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली जनपद के सलोन कोतवाली अंतर्गत कराहिया बाजार स्थित अमर शहीद ननकू सिंह के स्मारक पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार जिला संयोजक जी सी सिंह चौहान बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में अमित फौजी रहे। कार्यक्रम में ऑल इंडिया उद्योग व्यापार मंडल चौहान गुट के जिलाध्यक्ष मो0 उमर, जिला मीडिया प्रभारी इम्तियाज खान, जिला इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रभारी वसीम खान, शाहगंज अध्यक्ष देशराज भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में पहुंचकर दोनों अतिथियों ने अमर शहीद ननकू सिंह जी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की और भारत माता की जय, वंदे मातरम् के नारे लगाए। मुख्य अतिथि ने कहा कि हमें अपने राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को पूर्ण निष्ठा के साथ पूरा करना चाहिए। आजादी की कीमत हम सबको समझनी चाहिए। हमें अपने पूर्वजों द्वारा दिए गए बलिदान का सम्मान करना चाहिए। हमें मिल जुलकर एकसाथ रहते हुए भारत को विश्व में सर्वोत्तम स्थान पर के जाने के लिए कार्य करना चाहिए। देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए सदैव कार्य करना चाहिए। हमारे अमर शहीदों ने जिस भारत का सपना देखा था हमें भी वैसे ही भारत के निर्माण में अपना योगदान देते हुए उनके सपनों को साकार करना चाहिए। अंत में श्री चौहान ने कहा कि 7 जनवरी से 14 जनवरी तक चलने वाले शहीद दिवस का शुभारंभ शहर के मुंशीगंज स्थित शहीद स्मारक पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा दीपदान करके और शहीद स्तंभ पर पुष्प अर्पित करके किया गया। जनपदवासियों से अपील करना चाहूंगा कि वो भी समय निकाल कर देश के लिए शहीद हुए अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित जरूर करें। इस मौके पर तहसीलदार सलोन, बीडीओ, चौकी इंचार्ज, ग्राम प्रधान, किसान संगठन के पदाधिकारी सहित सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

श्री संकटा देवी मंदिर प्रांगण में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर विश्व मानवाधिकार कानून एवं अपराध नियंत्रण ट्रस्ट भारत तथा गुड़िया ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में मां संकटा देवी मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन एवं समाज में जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर विश्व मानवाधिकार कानून एवं अपराध नियंत्रण ट्रस्ट भारत की राष्ट्रीय अध्यक्षा माननीया नीतू सिंह दिनकर, राष्ट्रीय संरक्षक एस. एस. दिनकर, लखनऊ कार्यालय प्रभारी एवं गुड़िया ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्षा रेनू वर्मा तथा गुड़िया ट्रस्ट के राष्ट्रीय सचिव निखिल वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में नीम, चंपा, सिंदूर, टिकौमा, चांदनी, कनेर सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया। इस पुनीत कार्य में दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों

ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संतोष कुमारी, पूनम वर्मा, पुष्पा देवी, अर्चना देवी, अरविंद कुमार, रेनू वर्मा, ममता देवी, मंजू वर्मा, लज्जावती, सुनीता देवी, फूलमती, प्रियंका गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं मां संकटा देवी मंदिर के पुजारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखरेख एवं संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ने का आह्वान किया।

सैनिक स्कूल में मेधावियों का चयन, विद्यालय में खुशी का माहौल

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के सीपीएस माण्टेसरी स्कूल के 18 मेधावियों ने यूपी सैनिक स्कूल में चयनित होकर लालगंज का नाम रोशन किया है। मेधावियों की सफलता पर शनिवार को विद्यालय में खुशी का माहौल देखा गया। प्रधानाचार्य विक्रम सिंह तथा निदेशक विचित्र प्रताप सिंह ने सफलता को विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि कहा है। चयनित होने वाले मेधावियों में दिव्या तिवारी, कृष्णा कौशल, अली अहमद, खुशबू शुक्ला, आराध्या सिंह, सृष्टि गुप्ता, अनन्या, अमन यादव, ऋषभ विश्वकर्मा, आशुतोष विश्वकर्मा, श्रेया सिंह, कीर्ति यादव, शिवनंदिनी मिश्रा आदि हैं।

समाजसेवी अवधेश साहू को स्वामी विवेकानंद यूथ अवॉर्ड से सम्मानित करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

● ...राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर अवधेश साहू को समाज सेवा के लिए मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे पुरस्कार वितरण।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय युवा दिवस के पावन अवसर पर समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाजसेवी अवधेश साहू को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा प्रतिष्ठित 'स्वामी विवेकानंद यूथ अवॉर्ड '। यह सम्मान उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 12 जनवरी को आयोजित भव्य समारोह में दिया जाएगा।

समाजसेवी अवधेश साहू का जीवन संघर्ष और सेवा का एक अनुपम उदाहरण है। अत्यधिक गरीब परिवार में जन्मे और मुश्किलों के बावजूद शिक्षा के साथ समाज सेवा की दिशा में काम करने वाले साहू जी ने न केवल अपनी जीवनशैली को बदला, बल्कि समाज में भी हजारों जरूरतमंदों को सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया। उनकी अनथक मेहनत और समर्पण ने उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में एक आदर्श बना दिया है।

अवधेश साहू का जीवन स्वामी विवेकानंद के विचारों 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो' का सजीव प्रमाण है। उनका यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है,

बल्कि उनके द्वारा किए गए समाज सेवा के कार्यों का प्रतीक भी है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। समाज में उनके योगदान को देखते हुए जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, और क्षेत्रवासियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं और इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया है। यह सम्मान एक माँ के त्याग और बेटे के संघर्ष की जीत है, जो समाज सेवा के संकल्प को और भी प्रगाढ़ करता है।

एमसीएफ के महाप्रबंधक पी, के मिश्रा की पुस्तक ने खोले रेलवे इतिहास के पन्ने

● रेलवे को साम्राज्य से राष्ट्र की जीवन रेखा तक ले जाती पुस्तक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज रायबरेली। भारतीय रेलवे केवल इंजनों की गर्जना, पटरियों की खनक और स्टेशनों की भीड़ का नाम नहीं है। यह उस राष्ट्र की धड़कन है, जिसने गुलामी की बेड़ियों में भी अपने भविष्य की राह इस्पात पर लिखी। इसी ऐतिहासिक सत्य को शब्द, संदर्भ और संवेदना प्रदान करती है पुस्तक 'हिंदुस्तान का राजमार्ग : ईस्ट इंडियन रेलवे (1841-1871)', जिसे लिखा है आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (मॉडर्न कोच फैक्ट्री), लालगंज (रायबरेली) के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने। महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा का व्यक्तित्व भारतीय रेलवे में केवल एक शीर्ष प्रशासक का नहीं, बल्कि इतिहास बोध से संपन्न एक चिंतक, विरासत के संरक्षक और समय को शब्दों में थाम लेने वाले विद्वान लेखक का है। उन्होंने इस पुस्तक में पूर्वी भारतीय रेलवे के प्रारंभिक तीन दशकों का ऐसा प्रामाणिक और व्यापक इतिहास रचा है, जो अब तक उपलब्ध किसी भी अध्ययन से कहीं आगे जाता है। यह पुस्तक प्राथमिक और मूल अभिलेखीय स्रोतों पर आधारित है–वे दस्तावेज, वे रिपोर्टें, वे पत्र और वे निर्णय, जिन्होंने रेलवे को साम्राज्य की आवश्यकता से निकालकर राष्ट्र की जीवनरेखा बनाया। लेखक ने यह स्पष्ट किया है कि रेलवे केवल ब्रिटिश सत्ता का औजार नहीं थी, बल्कि वही लौह मार्ग आगे चलकर भारत की आर्थिक चेतना, सामाजिक संरचना और भौगोलिक एकता की रीढ़ बना।

हिंदुस्तान का राजमार्ग' कोई साधारण पुस्तक नहीं, बल्कि भारतीय रेलवे की वह स्मृति है, जिसे प्रशांत कुमार मिश्रा ने शब्दों में अमर कर दिया

दक्कन में रेलवे विस्तार, अकाल और औपनिवेशिक नीतियाँ, इंजीनियरिंग के असंभव को संभव करने वाले प्रयास, गुमनाम श्रमिकों का पसीना, और दूरदर्शी सुधारकों की सोच–इन सभी को प्रशांत मिश्रा ने केवल इतिहास की तरह नहीं, बल्कि मानवीय कथा के रूप में प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक बताती है कि कैसे इस्पात की पटरियों पर सिर्फ रेलगाड़ियाँ नहीं चलीं, बल्कि एक सभ्यता ने अपनी दिशा तय की। महाप्रबंधक के रूप में प्रशांत कुमार मिश्रा ने जहां रेलवे के आधुनिक निर्माण और प्रशासन में अपनी अलग पहचान बनाई है, वहीं एक इतिहासकार के रूप में उन्होंने भारतीय रेलवे की आत्मा को संरक्षित करने का कार्य किया है। देशभर में पचास से अधिक ऐतिहासिक रेलवे संरचनाओं के जीर्णोद्धार का नेतृत्व कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि विकास और विरासत विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री हो सकते हैं।उनका

लेखन केवल अकादमिक नहीं, बल्कि जीवंत है- ऐसा लेखन जो पाठक को 19वीं सदी के प्लेटफॉर्म पर खड़ा कर देता है, जहां भाप से चलती ट्रेन के साथ-साथ इतिहास की दिशा भी बदल रही होती है। यही कारण है कि उनकी रचनाएँ डोरलिंग किंडरस्ले और पेंगुइन रैंडम हाउस जैसे विश्वविख्यात प्रकाशन समूहों द्वारा प्रकाशित की गई हैं। 'हिंदुस्तान का राजमार्ग' कोई साधारण पुस्तक नहीं, बल्कि भारतीय रेलवे की वह स्मृति है, जिसे प्रशांत कुमार मिश्रा ने शब्दों में अमर कर दिया है। यह पुस्तक इतिहासकारों के लिए संदर्भ, प्रशासकों के लिए दृष्टि, विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा और आम पाठक के लिए गर्व का कारण है।यह कृति बताती है कि जब एक प्रशासक के हाथ में कलम आती है और उसके भीतर इतिहास की चेतना जागती है, तो वह केवल किताब नहीं लिखता–वह आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्र की स्मृति रच देता है।

महमूदाबाद में शिव मठ मंदिर को कब्जा मुक्त कराने के लिए नागरिकों का बड़ा ज्ञापन

● जिलाधिकारी से 11 बिंदुओं पर कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर नगर पालिका परिषद महमूदाबाद क्षेत्र में फैले अवैध अतिक्रमण को लेकर स्थानीय नागरिकों ने जिलाधिकारी, सीतापुर को संबोधित एक विस्तृत ज्ञापन उपजिलाधिकारी, महमूदाबाद के माध्यम से सौंपा है। ज्ञापन में नगर के विभिन्न इलाकों में सरकारी, धार्मिक, तालाबों, शत्रु संपत्ति व सार्वजनिक मार्गों पर किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटवाने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि ठठेरी बाजार स्थित प्राचीन ऐतिहासिक व धार्मिक स्थल, जहां से प्रसिद्ध जलबिहार प्रारंभ होता था, वहां शिव मंदिर, कुआं व नगरपालिका की भूमि पर अवैध रूप से मार्केट का निर्माण कर लिया गया है, जिसे अतिक्रमण मुक्त कराया जाना आवश्यक है। इसी प्रकार बेलदारी टोला में नगर पालिका के तालाब की भूमि पर अवैध रूप से मस्जिद व मदरसे का निर्माण कर सार्वजनिक रास्ता बंद कर दिया गया है, जिसकी निशानदेही कर कब्जा हटाने की मांग की गई है।

नगरपालिका कार्यालय के पास स्थित तालाब के चारों ओर अतिक्रमण, बजाजा चौराहे से बस स्टाप रोड पर मस्जिद के बाहर बने अवैध चबूतरे व दुकानों से मुख्य मार्ग बाधित होने, तहसील से संकटा देवी मार्ग के दोनों ओर अवैध दुकानों व मजार के चारों तरफ बनी बाउंड्रीवाल को हटाने की मांग भी ज्ञापन में की गई है। इसके अलावा बरदही बाजार में शत्रु संपत्ति पर अवैध कब्जा, पुरुष अस्पताल जाने वाले मार्ग पर अतिक्रमण के कारण एंबुलेंस आवागमन में हो रही परेशानी, सब्जी मंडी को अन्यत्र स्थानांतरित करने, शत्रु संपत्ति की बागों व कृषि भूमि की नीलामी में भ्रष्टाचार की जांच, रेलवे स्टेशन के पास रेलवे लाइन किनारे बनी ईदगाह, सिधौली रोड पर पावर हाउस के पास व गल्ला मंडी गेट पर किए गए अवैध निर्माण तथा रेलवे क्रॉसिंग के पास लकड़ी कारोबारियों द्वारा पुनः किए जा रहे कब्जे को

रोकने की मांग की गई है। नागरिको ने जिलाधिकारी से मांग की है कि नगर हित में इन सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर अवैध अतिक्रमण को तत्काल हटवाया जाए तथा दोषी अधिकारियों व भू-माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उक्त ज्ञापन अमरीश गुप्ता पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि नगरपालिका के नेतृत्व में रमेश वर्मा, अशोक वर्मा, राजू पोरवाल, अमरीश वर्मा, पंकज वर्मा, ब्रजेश कुमार, अवध राम साहू, अभिषेक सोनी आदि लोगो ने कोतवाली परिसर में उप जिलाधिकारी को सीओ कोतवाल की उपस्थिति में सौपा।

मनरेगा को कमजोर करने की साज़िशः-कौशल कुमार सिंह ' मुन्ना राय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़ जिला कांग्रेस कमेटी, आज़मगढ़ द्वारा केंद्र की भाजपा सरकार के उस जनविरोधी फैसले के खिलाफ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (मनरेगा) से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाने और इसके मूल स्वरूप व प्रमुख प्रावधानों में बदलाव करने का निर्णय लिया गया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष कौशल कुमार सिंह 'मुन्ना राय' ने कहा कि मनरेगा करोड़ों गरीब और ग्रामीण परिवारों के लिए रोज़गार की संवैधानिक गारंटी है। इस ऐतिहासिक योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना भाजपा सरकार की गांधी-विरोधी और गरीब-विरोधी सोच को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि सरकार मनरेगा को नए नाम विकसित भारत ग्राम जी के माध्यम से उसकी आत्मा से अलग करने की कोशिश कर रही है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार

जानबूझकर मनरेगा को कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है। काम के दिनों की गारंटी को व्यवहारिक रूप से सीमित किया जा रहा है, मज़दूरी भुगतान में अनावश्यक तकनीकी अड़चनें खड़ी की जा रही हैं, राज्यों के अधिकारों में कटौती की जा रही है और योजना को मांग-आधारित स्वरूप से हटाकर सरकारी नियंत्रण में लाने की साज़िश की जा रही है। इसका सीधा असर ग्रामीण मज़दूरों, महिलाओं और वंचित वर्गों पर पड़ेगा।

कौशल कुमार सिंह 'मुन्ना राय' ने कहा कि भाजपा सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसे गरीबों के रोज़गार और महात्मा गांधी के नाम से इतनी परेशानी क्यों है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह फैसला वापस नहीं लिया गया तो कांग्रेस पार्टी सड़कों से लेकर संसद तक संघर्ष तेज करेगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित कांग्रेस नेताओं ने एक स्वर में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मनरेगा के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ को बर्दाश्त नहीं करेगी और इस योजना की रक्षा के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ेगी। प्रेस कांफ्रेंस में रियाजुल हसन, अजीत राय, राहुल राय, गिरीश चंद्र चतुर्वेदी, तेज बहादुर यादव, मुन्नू यादव, बेलाल बेग, मो. आमिर, श्यामदेव यादव, मंतराज यादव, हरिओम उपाध्याय, मुन्नू मौर्य शहज़ादे मिंटू, प्रदीप यादव, तुषार सिंह पालीवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुँचे, लापरवाही बर्दाश्त नहीं-प्रभारी मंत्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई(जालौन)- गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग राज्यमंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं तथा कानून-व्यवस्था की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। प्रभारी मंत्री ने सभी अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, पोषण, पेंशन सहित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों तक पहुँचना चाहिए। किसी भी पात्र लाभार्थी का योजना से वंचित रहना प्रशासनिक लापरवाही माना जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पूर्ण कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ही कराया जाए, जिससे जनभागीदारी और पारदर्शिता सुनिश्चित हो। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि पात्रता की जांच मानकों के अनुसार कर ग्राम स्तर पर पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से लाभार्थियों की सूची तैयार की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी अपात्र को लाभ न मिले और कोई भी पात्र व्यक्ति छूटने न पाए। विद्यालयों में कायाकल्प योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि मानकों के अनुरूप कार्य कराते हुए सभी विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता

सुनिश्चित की जाए। जल निगम ग्रामीण को निर्देशित किया गया कि पाइपलाइन बिछाने के पश्चात सड़कों को यथाशीघ्र दुरुस्त कराया जाए तथा जल गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रभारी मंत्री ने लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि जिन सड़कों की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, उनकी सूची सभी जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए, ताकि जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कार्यों की निगरानी सुनिश्चित हो सके। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त एवं गड्ढायुक्त सड़कों की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कर उन्हें गड्ढामुक्त किया जाए, जिससे आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। चिकित्सा विभाग को निर्देशित किया गया कि मरीजों को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराया जाए। वहीं आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों का त्वरित पंजीकरण कर उन्हें योजना के लाभ से वंचित न रहने दिया जाए। समाज कल्याण विभाग को सभी पेंशन योजनाओं में पात्रता की शुद्धता सुनिश्चित करते हुए लाभार्थियों को समय से भुगतान कराने के निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि शहरी क्षेत्रों में 24 घंटे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 72 घंटे के भीतर खराब ट्रांसफार्मर बदले जाएं। किसानों को पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराए जाएं। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट चेतावनी दी कि शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में ग्रामीण विकास, पंचायती राज, कृषि, पशुपालन, खाद्य एवं रसद, श्रम एवं सेवायोजन, पीएम सूर्य घर योजना सहित सभी विभागों की योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को जनहित सर्वोपरि रखते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, एमएलसी रमा निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, डीसी मनरेगा रामें

संक्षिप्त खबरें

35 वर्षीय महिला झूली फांसी पर

उरई(जालौन): शहर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार रात 35 वर्षीय एक महिला ने घर के अंदर गले में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के ससुर बाल किशुन ने पुलिस को बताया कि उसके बेटे दीपेंद्र सिंह की शादी वर्ष 2018 में डकोर निवासी पूजा देवी से हुई थी। दंपति की कोई संतान नहीं थी। दीपेंद्र पेशे से ट्रक चालक है और अक्सर बाहर रहता है जबकि पूजा देवी ससुराल में ही रहती थी। शुक्रवार को पति-पत्नी के बीच फोन पर किसी बात को लेकर विवाद हुआ और इसके कुछ समय बाद ही पूजा देवी ने आत्महत्या कर ली।

वहीं परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मृतका की मौत की खबर सुनकर मायके पक्ष के लोग भी घटनास्थल पर पहुंच गए और पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने मृतका के परिजनों और ससुराल पक्ष के बयान दर्ज कर जरूरी जांच पड़ताल की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का स्पष्ट पता चल सकेगा। क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह ने कहा है कि यदि कोई तहरीर सामने आती है तो उसके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अलाव न जलने से दोना पत्तल और पन्नी जलाकर ताप रहे लोग

नगर पंचायत का दावा 71 स्थानों पर जल रहे अलाव

हमीरपुरः- सुमेरपुर कस्बा में प्रशासन द्वारा अलाव न जलाए जाने की वजह से राहगीर व कस्बा के लोग प्लास्टिक की पन्नी आदि जलाकर सर्दी से बचाव कर रहे हैं।जबकि नगरपालिका प्रशासन का दवा है कि उसने 71 स्थानों पर अलाव लगाए हुए हैं। बीते शुक्रवार की रात नौ बजे की गई पड़ताल में नगर पंचायत के अलाव नदारत दिखे जबकि नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी का दावा है कि कस्बे के 71 स्थानों में अलाव जल रहे हैं। स्थान कौन से हैं और कहां है। इसकी स्थिति वह स्पष्ट नहीं कर सके। बीती रात की गई पड़ताल में लोग बांदा मार्ग में रेलवे के गेट की संख्या 31 के समीप पन्नी जलाकर आग ताप रहे थे। धर्मेश्वर बाबा मोहाल निवासी अंकित, बलवान, हंसराज, देव कुमार, पुरुषोत्तम, महेश उर्फ मेहमान आदि ने बताया कि यहां आस-पास कहीं भी नगर पंचायत के अलाव नहीं जलते हैं जबकि अधिशाषी अधिकारी दिनेश आर्य का दावा है कि कस्बे के 71 स्थानों पर अलाव जल रहे है लेकिन वह स्थान स्पष्ट नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि पन्नी जलाकर प्रदूषण पैदा करने वालों पर जुर्माना किया जाएगा। व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू ने कहा कि अधिशाषी अधिकारी का दावा झूठा है। मुख्य बाजार में ही प्रमुख स्थानों के अलाव गायब है।

असम के बड़खला क्षेत्र में भाजपा पार्टी के टिकट की दौड़ में समाजसेवी लक्षि बाबू सिंह

भाजपा पार्टी के अध्यक्ष दिलीप सैकिया को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनका आशीर्वाद लिया, भाजपा के नेतृत्व में अपनी मांग रखी।

श्रीभूमि : आगामी 26वें विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बड़खला विधानसभा क्षेत्र में भाजपा पार्टी के उम्मीदवारों के लिए टिकट की दौड़ तेज। इस दौड़ में समाजसेवी लक्षि बाबू सिंह वर्तमान में सबसे अधिक चर्चित नाम हैं। संभावित उम्मीदवार के रूप में वह स्वयं को प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी क्रम में नए साल के अवसर पर समाजसेवी लक्षि बाबू सिंह ने 2026 नववर्ष के शुभ अवसर पर असम प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी के लोकप्रिय अध्यक्ष दिलीप सैकिया को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनका आशीर्वाद लिया और समाजसेवी लक्षि बाबू सिंह ने बड़खला में बीजेपी के टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश की। इसके बाद इस विषय पर बातचीत करते हुए, जानकारी दी कि ईस विधानसभा क्षेत्र के लिए मेरी ओर से एक खुशखबर आने वाली है यह विश्वास और अपेक्षा बनी रहे है कि भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी मुझे जिम्मेदारी देती है तो मैं उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ लोगों के हित में काम करूँगा। और मेरा मुख्य लक्ष्य विकास होगा, और मैं हमेशा लोगों के लिए तत्पर रहूँगा।

वीडियो वायरल की धमकी देकर किशोरी संग 6 माह से दुष्कर्म करने के आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

● फिलहाल आरोपी युवक नहीं आ सका पुलिस की पकड़ में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन): वीडियो वायरल करने की धमकी देकर नाबालिग किशोरी संग बीते 6 माह से दुष्कर्म किए जाने की किशोरी के पिता द्वारा की गई शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। फिलहाल आरोपी युवक पुलिस की पकड़ में नहीं आ सका है।

नगर के एक मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति ने शुक्रवार को कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि उसकी नाबालिग बेटी को बीते करीब 6 माह पूर्व एक युवक आयुष्मान जाटव पुत्र राजू जाटव निवासी नया पटेलनगर कोंच बहला फुसलाकर किसी अज्ञात स्थान पर ले गया था। युवक ने उसकी बेटी को नशीला पदार्थ खिलाकर जबरन दुष्कर्म किया और इसका वीडियो भी बना लिया था। युवक ने बेटी को धमकी दी कि किसी को इस बारे में कुछ बताया तो वीडियो वायरल कर समाज में बदनाम कर देगा जिससे उसकी बेटी डर गई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वीडियो का सहारा लेकर युवक बीते 6 माह से उसकी बेटी के साथ लगातार दुष्कर्म करता रहा। शुक्रवार को बेटी ने उसे पूरी घटना के बारे में बताया तब उसे घटना की जानकारी मिल सकी। इस मामले को लेकर

पुलिस ने गुरुवार की देर शाम आरोपी युवक आयुष्मान जाटव के खिलाफ दफा 64(1) सहित 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच आरम्भ कर दी है। शुक्रवार की शाम समाचार लिखे जाने तक फिलहाल आरोपी पुलिस की पकड़ में नहीं आ सका है।

भाकियू की पंचायत में किसानों ने उठाई समस्याएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन): भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत शनिवार को नवीन गल्ला मंडी परिसर स्थित किसान भवन में आयोजित की गई जिसमें उपस्थित क्षेत्रीय किसानों ने कई अहम समस्याएं उठाई। पंचायत के उपरांत संगठन के पदाधिकारियों ने एसडीएम ज्योति सिंह को ज्ञापन सौंप कर समस्याओं के निराकरण की मांग की है।

आयोजित पंचायत में किसानों ने समस्या उठाते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों में बिजली की जबरजस्त रोस्टिंग की जा रही है जिससे नलकूप नहीं चल पा रहे हैं और फसलों की सिंचाई में परेशानी उत्पन्न हो रही है। किसानों ने कम से कम 12 घंटे निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति की मांग की है। इसके अलावा ग्राम अंडा में नाले की आधी अधूरी खुदाई पूरी कराने, डिकौली माता मंदिर से रेलवे लाइन तक मिट्टी डाले जाने, पड़री गांव में शंकर जी के मंदिर से नरिया तक नाले का निर्माण कार्य पूर्ण कराए जाने, हरदौल लाला के पास अवरुद्ध पुलिया की स्थिति दुरुस्त कराए जाने, पचीपुरा गांव में घूम रहे जंगली सुअरों को पकड़वाए जाने के अलावा गत रोज ग्राम परैथा में आग से जलकर मरे लघु किसान श्रीराम के परिजनों

को आर्थिक मदद प्रदान किए जाने की मांग किसानों ने रखी। बैठक में उपस्थित राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जादौन ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भाकियू किसानों की हर छोटी बड़ी समस्या के निराकरण के लिए गंभीर है, अधिकारियों से मिलकर समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा। उन्होंने किसानों से आह्वान करते हुए कहा कि आगामी 16 से 18 जनवरी तक प्रयागराज में किसान महा पंचायत का आयोजन होगा जिसमें भारी संख्या में शामिल होने के लिए स्थानीय किसान 15 जनवरी को दोपहर 1 बजे उरई रेलवे स्टेशन पर एकत्रित हों। पंचायत का संचालन तहसील महासचिव डॉ पीडी निरंजन ने किया। इस मौके पर तहसील अध्यक्ष चतुर सिंह पटेल सहित करीब एक सैकड़ा किसान मौजूद रहे।

शनिवार को खिली धूप, किसानों के भी चेहरे खिले

फसलों के नुकसान से बचने की उम्मीद

हमीरपुरः- बीते बीस दिनों से लगातार पड़ रहे कोहरे के चलते दलहनी एवं तिलहनी फसलों में पाला पड़ने आशंका से किसान बेहद परेशान थे।लेकिन शनिवार के दिन सुबह से ही निकली तेज धूप ने किसानों के चेहरों पर चमक ला दी है। गत 20 दिनों से पूरा क्षेत्र भीषण कोहरे एवं सर्दी की चपेट में रहा है। बगैर बरसात के लगातार कोहरा पड़ने तथा धूप गायब रहने से सरसों, मटर, मसूर, चना, अरहर आदि की फसलों में माहू, एवं सूंड़ी का प्रकोप बढ़ गया था। इससे किसान परेशान हो उठा था। लेकिन पिछले दो दिनों से धूप खिलने से किसानों ने राहत महसूस की है। किसान राधेश्याम सिंह, चंद्रभान कुशवाहा, रामखेलावन, रमेश कुमार, महेश लखेरा, प्रदीप गुप्ता, घसीटा गुप्ता सुरेश गुप्ता आदि ने बताया कि लगातार पड़ रहे कोहरे से फसलों में विपरीत असर पड़ रहा था। धूप गायब होने से कीट पतंगों की संख्या में इजाफा होने लगा था, लेकिन अब धूप खिलने से इनकी बढ़ोतरी में विराम लगेगा और पछुआ हवा एवं धूप पाकर फसलों में सुधार होगा। कृषि रक्षा इकाई के तकनीकी सहायक अजित कुमार शुक्ला ने बताया कि किसान फसलों को कीट पतंग से बचने के लिए डाईमिथियोट दो एमएल प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें। फसलों में कीट पतंग का प्रकोप खत्म हो जाएगा।

विश्व हिंदी दिवस पर बद्री प्रसाद कॉलेज में की गई संगोष्ठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन): स्थानीय सेठ बद्री प्रसाद स्मृति महाविद्यालय में 'विश्व हिंदी दिवस' के अवसर पर शनिवार को गोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने हिंदी भाषा के गौरव और इसकी वैश्विक उपयोगिता पर प्रकाश डाला। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपनी मातृभाषा के प्रति जागरूक करना और दैनिक जीवन में इसके प्रयोग को बढ़ावा देना रहा।

मुख्य वक्ता डॉ. सरताज खान ने कहा कि हिंदी अब केवल भारत की सीमा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्व पटल पर अपनी मजबूत पहचान बना चुकी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हिंदी के माध्यम से हम अपनी समृद्ध संस्कृति और विचारों को दुनिया तक प्रभावी ढंग से पहुँचा सकते हैं। उन्होंने तकनीकी और शैक्षणिक क्षेत्रों में भी हिंदी के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित किया। कार्यवाहक प्राचार्य बृजेंद्र सिंह निरंजन ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रीय पहचान और संस्कारों की वाहक है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि एक जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में भाषा का ज्ञान और उसका सम्मान अनिवार्य है। महाविद्यालय के कोर्डिनेटर श्री कन्हैया नीखर ने हिंदी को समाज को जोड़ने वाली कड़ी बताते हुए इसे 'जनमानस की भाषा' करार दिया।

गोष्ठी के अंत में सभी ने राष्ट्रभाषा के सम्मान और उसके प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया। इस दौरान फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ.

मनोज कुमार पटेल, डॉ. सत्य प्रताप, नर्सिंग विभाग से पूनम देवी, हॉस्पिटल उप अधीक्षक डॉ. शिवम सिंह, आईटी विभाग से इंजी. संतोष रायकवार और प्रदीप कुशवाहा, राधेश्याम पटेल, धर्मेंद्र पटेल, मनोज श्रीवास्तव, मनोहर प्रजापति, विवेक बाबू, राजकुमार गुप्ता, संदीप, संजय, कल्लू सिंह, नन्हे राजा आदि उपस्थित रहे।

बी. पी. तिवरी पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य एवं मध्य प्रदेश प्रभारी नियुक्त, पत्रकारों ने दी बधाइयां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल से रीवा। पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय संयोजक महेंद्र तिवारी की अनुशंसा पर राष्ट्रीय महासचिव अनुपम गुप्ता के अनुमोदन से राष्ट्रीय कार्यालय द्वारा पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य एवं मध्य प्रदेश प्रभारी पद पर शहडोल संभाग वरिष्ठ श्री बी.पी.को नियुक्त कर संगठन की जिम्मेदारी दी गई है। इस संबंध में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुसमाकर श्रीमाली ने श्री बी.पी.तिवारी को नियुक्त करते हुए नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य में मध्य प्रदेश प्रभारी को शुभकामनाएं एवं बधाइयां प्रेषित कर अपेक्षा की है कि संगठन के नियमानुसार उन्हें एक माह के अंदर अपने कार्य को को आगे बढ़ते हुए जानकारी राष्ट्रीय कार्यालय को उपलब्ध करानी होगी अन्यथा संगठन के प्रति उनके कार्य व्यवहार को देखते हुए संगठन द्वारा अपना अगला निर्णय लिया जाएगा।

पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्यों मध्य प्रदेश प्रभारी नियुक्त होने पर श्री बीपी तिवारी ने ने पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय संयोजक एवं राष्ट्रीय महासचिव के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा है कि संगठन के द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को लेकर हरसंभव पूरा करने के लिए पूरी तन्मयता के साथ कार्य करेंगे और मध्य प्रदेश सहित देश में पत्रकार विकास परिषद को एक नई दिशा सभी सहयोगी साथियों के साथ मिलकर प्रदान करेंगें । श्री बीपी तिवारी के राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य एवं मध्य प्रदेश प्रभारी बनने पर श्री सुरेंद्र कुसमाकर श्रीमाली राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्रीमती निर्मला कुसमाकर श्रीमाली राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, नरेन्द्र बुधौलिया राष्ट्रीय संरक्षक, राजा गौतम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, शिवरतन नामदेव राष्ट्रीय सचिव, महेंद्र तिवारी राष्ट्रीय संयोजक, अनिल पटेल राष्ट्रीय सहसंयोजक, महेंद्र सिंह अतरैला राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, अनुपम गुप्ता राष्ट्रीय महासचिव, धर्मेंद्र सिंह तोमर राष्ट्रीय महासचिव, राम किशोर पवार राष्ट्रीय महासचिव, संपति दास गुप्ता राष्ट्रीयप्रवक्ता, एड.आर.के.गंगेले राष्ट्रीय विधिक सलाहकार, अनिरुद्ध सिंह नोएडा प्रभारी ऋषि पाल सिंह, विकास भारद्वाज पाठक राष्ट्रीय कार्यक्रम संयोजक एवं बिहार प्रभारी, कमलेश कुशवाहा राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी, अरविंद द्विवेदी प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश, दिनेश गोस्वामी प्रदेश संयोजक मध्य प्रदेश, प्रमोद सिंह सेंगर प्रदेश उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश, उपेंद्र प्यासी प्रदेश उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश, गोपाल दास बंसल प्रदेश महासचिव, मनीष वाघेला प्रदेश महासचिव, संजीव पुरोहित प्रदेश महासचिव, इंद्रभान उपाध्याय प्रदेश महासचिव, नीलिमा डाबी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मध्य प्रदेश, जुनैद खान प्रदेश सचिव, मुकेश सोंधिया प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, रूपेश गुप्ता (खंताल) जिला अध्यक्ष ग्वालियर, शैलेंद्र जायसवाल संभागीय अध्यक्ष रीवा संभाग, सुदेश जायसवाल संभाग प्रभारी जबलपुर एवं नर्मदा पुरम संभाग, दुर्गेश गुलशन यादव भोपाल प्रभारी, मोहन पटेल प्रदेश अतिरिक्त सचिव, धर्मेंद्र वर्मा प्रदेश सचिव, शमीम सिद्दीकी प्रदेश सचिव, अजीत जैन प्रदेश अतिरिक्त सचिव, उत्सव सोनी संभागीय प्रभारी इंदौर, सौरभ विक्की ताम्रकार संभाग महासचिव सागर

संभाग, उमाकांत द्विवेदी संभागीय महासचिव रीवा संभाग, सनत कुमार शुक्ला रीवा जिला, प्रभारी दिवाकर प्रसाद तिवारी मऊगंज जिला प्रभारी, रामभिलाष द्विवेदी मऊगंज जिला अध्यक्ष, हेमंत कुंदन राठौड़ जिला अध्यक्ष झाबुआ, भुवन लाल सिंह कुशवाहा जिला अध्यक्ष छिंदवाड़ा, सुनील विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष कटनी, गोविंद राज बिंद जिला अध्यक्ष सिंगरौली,के.पी.विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष पुणे महाराष्ट्र,धीरज यादव महाराष्ट्र, सुमन श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष जबलपुर, श्रीमती सुधा शर्मा जिला उपाध्यक्ष जबलपुर, अनिल सिंह लोधी जबलपुर, अतुल सिंह राजपूत जबलपुर, अनुराग विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष सागर, राहुल नामदेव जिलाध्यक्ष दमोह, राम प्रताप बर्मन जिला अध्यक्ष ग्रामीण जिला पन्ना, मयंक शर्मा जिला अध्यक्ष खंडवा, डॉ राघवेंद्र मिश्रा जिला अध्यक्ष रीवा, अनुराग द्विवेदी प्रदेश कार्य समिति सदस्य, संदीप चतुर्वेदी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, कृष्ण कुमार पाठक प्रदेश कार्य समिति सदस्य, सुरेंद्र सोनी संरक्षक सदस्य, शाहिद संगठन के सभी सदस्य व पदाधिकारी ने शुभकामनाएं एवं बधाइयां प्रेषित की है।

घर के बंद कमरे में मिला अधेड़ का शव

कोंच (कैलिया): थाना कैलिया क्षेत्र के ग्राम सलैया बुजुर्ग में घर के अंदर बंद कमरे में एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक आकाश कौरव पुत्र गन्धर्व सिंह निवासी ग्राम सलैया बुजुर्ग ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी कि उसके चाचा हरनाम कौरव (50) पुत्र स्व. सिरोवन सिंह घर में अकेले रहते थे। वह पिछले दो-तीन दिन से घर से बाहर भी नहीं निकले, साथ ही अंदर से दरबाजा बंद है। सूचना पर कैलिया थानाध्यक्ष अवनीश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और बाहर से जब कमरे में झांका तो अंदर से काफी बदबू आ रही थी। दरवाजा खुलवाकर देखा तो अंदर उनका शव पड़ा हुआ था। पुलिस ने आवश्यक जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया है कि मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा दो विवाहित बेटियां हैं जो दिल्ली में रहती हैं। मृतक गांजा पीने का आदि था।

ग्राम पंचायत करकटी में भ्रष्टाचार जम कर नाली निर्माण कार्य मे भारी भ्रष्टाचार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल से जिले के करकटी पंचायत में हो रहे भ्रष्टाचार में एक नया कार्य हो रहा हैं। जिसमें लाखों रुपए की लागत से नाली निर्माण कार्य को किया जा रहा हैं। आपको बता दे कि इस निर्माण कार्य का भारी अनिमितता देखने को मिल रहा। ग्राम पंचायत जिस ठेकेदार को काम सौपे हैं उस ठेकेदार को नाली की न गहराई और न ही बेस का की मोटाई का पता आपको बता दे कि इस निर्माण कार्य की लागत तक पता नहीं और काम शुरू हो गया। अब इस बात से ही पता लगा सकते हैं कि इस निर्माण कार्य मे कितनी सफाई से कार्य कर हो रहा हैं। नाली निर्माण कार्य मे जब गड्ढे खोदे गए तब मेन पाइप लाइन की पड़ी पाइप को ही ठेकेदार के द्वारा तोड़ दिया गया जिससे पीएचई और ग्रामीणों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा हैं। जब कंप्लीट था तब पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुआ और अब तो पाइप की टूट गया तब क्या होगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में नवीन सोनोग्राफी मशीन का फीता काटकर शुभारंभ किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दिनेश चौधरी की रिपोर्ट

शहडोल से मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री तथा शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने जिले के प्रवास के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में नवीन सोनोग्राफी मशीन का फीता काटकर शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध होने से बुढार क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों को स्थानीय स्तर पर सुलभ हो सकेंगी। इससे मरीजों को जिला मुख्यालय अथवा अन्य शहरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और समय व धन दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उप मुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार के विभिन्न वार्डों का भी निरीक्षण कर उपलब्ध संसाधनों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों और परिजनों से चर्चा कर स्वास्थ्य केंद्र में दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान विधायक श्री जयसिंह मरावी, सदस्य जिला

योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश मिश्रा सहित अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

तीन करोड़ से बन रहा अंडरपास, डेढ़ लाख लोगों की राह होगी आसान

● रागौल स्टेशन के पास चल रहा निर्माण, इस रेल ट्रैक पर बीस सवारी ट्रेनों के अलावा निकलती हैं कई मालगाड़ियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- बांदा व कानपुर रेलवे लाइन पर रागौल स्टेशन के पास तीन करोड रुपए की लागत से रेलवे अंडरपास का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इस परियोजना से हमीरपुर और बांदा जनपदों की लगभग डेढ़ लाख की आबादी को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बार-बार लगने वाले जाम से निजात मिलेगी। यह अंडरपास क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कानपुर बांदा रेलवे ट्रैक पर रोजाना बीस ट्रेने अप डाउन करती है। इसमें अधिकतर मालगाड़ी के साथ पैसेंजर ट्रेन लगी है। हर दिन बड़ी संख्या में लोग बांदा, नरैनी, कलिंजर,मां विंध्यवासिनी के दर्शन के अलावा मंडलीय कार्यो के लिए आते जाते हैं।

पीआरओ डीआरएम झांसी के मनोज कुमार सिंह ने बताया कि खैरार से लेकर भीमसेन रेलवे स्टेशन तक सभी रेलवे गेटों पर अंडरपासो के निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। इससे लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी। जल भराव के लिए स्थाई समाधान निकाला जाएगा।

इस मार्ग पर सिजनौडा,करहिया, रीवन,टिकरी, कपसा, इचौली, नायकपुरवा, गुसियारी,अटघार, खंडेह, भैंसता आदि के अलावा बांदा व मध्य प्रदेश प्रांत तक के लोग इस मार्ग से गुजरते हैं। बार-बार गिरने वाले फाटक से लोगों को परेशानी होती है। कई बार तो एक साथ दो से तीन ट्रेने आने के कारण लोगों को 20 से 25 मिनट तक रेलवे फाटक पर खड़ा होना पड़ता है।

स्कूल से लौट रहे अध्यापक के साथ की मारपीट व लूटपाट

हमीरपुरः- थाना क्षेत्र के करगांव निवासी विजय ने अपने अध्यापक भाई विक्रम सिंह पुत्र जयकरन के साथ मारपीट करने वाले सात अज्ञात युवकों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है।बताया कि उसका भाई उमरी गांव के शाष्वत शांति विद्यालय में पढ़ाता है और बीते शुक्रवार के दिन लगभग तीन बजे स्कूल से घर लौट रहा था ,उसी दौरान गांव से कुछ पहले नहर पुलिया के पास घात लगाए खड़े सात युवकों ने उसे पकड़ लिया और तमंचा लगाकर मारपीट कर उसे अचेत कर दिया।बताया ,उसके बाद वे उसे बाइक पर बैठाकर इमिलिया गांव थाना मुस्करा की तरफ ले गए और रास्ते भर पीटते रहे।पीड़ित के अनुसार जब उसे होश आया तो वह चिल्लाने लगा।शोर सुनकर लोग दौड़े तो वे उसकी सोने की चेन, पर्स व अन्य कागजात लेकर उसे वहीं छोड़कर भाग गए।थाना प्रभारी नन्दराम ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात सात लोगों के खिलाफ धारा 126(2), 191(2), 191(3), 140(3), 110, 309(6) का मुकदमा दर्ज किया गया है, आरोपियों की तलाश की जा रही है।वहीं सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पीड़ित अध्यापक का उसीके स्कूल में पढ़ने वाली किसी किशोरी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था, उसी किशोरी के भाई ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसके साथ घटना कारित की है।

शार्ट सर्किट से लगी आग, दो दुकानें जलकर स्वाहा, दुकान मालिकों के लाखों का नुकसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात लगी आग से दो दुकानें जलकर राख हो गई। ग्रामीणों और दमकल के साथ कोतवाली पुलिस ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक दोनों दुकान पूरी तरह जल चुकीं थीं।प्रथम दृष्टया बिजली के तारों में हुए शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। मौदहा कस्बा के बड़े चौराहे के पास गल्ला मण्डी गेट के सामने रियाज़ मार्केट में बीती देर रात शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर एक ही मालिक की किराना की दो दुकानों सहित कुल तीन दुकानें जलकर खाक हो गई। इस हादसे में करीब 25 लाख रुपये से अधिक के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।वहीं राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर आग से हुए नुकसान का आंकलन शुरू कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार कस्बे के उपरौस मोहल्ला निवासी मुहम्मद खालिक की बड़े चौराहे स्थित नवीन मार्केट में सादिक ट्रेडर्स के नाम से किराना की दो दुकानें हैं, जहां थोक और फुटकर दोनों तरह

का कारोबार होता है। मंगलवार रात खालिक दुकानें बंद कर घर चले गए थे। देर रात अचानक शॉर्ट सर्किट से दोनों दुकानों में आग लग गई।

आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। तब तक दुकान मालिक और स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गए। थाना पुलिस भी राहत कार्य में लगी रही। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस आग की चपेट में खालिक की दुकानों से कुछ दूकान दूर असद अब्बास उर्फ गुड्डू अंडेवाले की दुकान भी आग की चपेट में गई, जिससे उनकी दुकान में अण्डे और बारदाना सहित लगभग पांच लाख रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। खालिक ने बताया कि आग से उन्हें करीब 20 लाख रुपये से

अधिक का नुकसान हुआ है, जबकि असद अब्बास को लगभग पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं, पास ही स्थित एक मेडिकल स्टोर को देर रात लोगों ने तत्परता दिखाते हुए खाली करा लिया, जिससे बड़ी अनहोनी और नुकसान होने से बच गया।घटना की जानकारी मिलते ही राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर आग से हुए नुकसान का आंकलन शुरू कर दिया है और पीडितों को हर सम्भव सरकारी सहायता दिलाने की बात कही है।

विश्व हिन्दी दिवस पर याद किये गए कुशल राजनीतिज्ञ और महान लेखक सम्पूर्णानंद

हमीरपुरः- सुमेरपुर कस्बा में शनिवार के दिन वर्णिता संस्था के तत्वावधान में विमर्श विविधा कार्यक्रम में महान देशभक्त डा. संपूर्णानंद की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि डा. संपूर्णानंद सही अर्थों में एक सच्चे देशभक्त थे। देश के प्रति उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। संपूर्णानंद का एक जनवरी 1889 को वाराणसी में मुन्शी विजयानंद और आनंदी देवी के घर जन्म हुआ था। आजादी के संघर्ष में असहयोग आंदोलन से सविनय अवज्ञा आन्दोलन तथा भारत छोड़ो आंदोलन तक ये पांच साल जेल में बंद रहे। इन्हें संस्कृत, उर्दू तथा फारसी का अच्छा ज्ञान था। ये एक अच्छे साहित्यकार थे जिन्होंने 45 पुस्तकें लिखी। आजादी के बाद ये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा राजस्थान के राज्यपाल भी रहे। कालांतर में इनका 10 जनवरी 1969 में निधन हो गया। इस कार्यक्रम में अशोक अवस्थी, सिद्धा, प्रेम, महावीर जे ई, पंकज सिंह, रिचा, रामनरायन सोनकर, रामबाबू, विकास, फूलचंद, सतेन्द्र, राहुल प्रजापति आदि शामिल रहे।